रायपुर

रायपुर, बुधवार 28 अक्टूबर 2026

वर्ष-07, अंक-300

पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com

Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

डेटा संरक्षण कानून को चुनौतीज सुप्रीम कोर्ट पहुंचे 21 मीडिया समूह, केंद्र को नोटिस



नई दिल्ली। DNPA की याचिका पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने केंद्र सरकार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से जवाब तलब किया।21 प्रमुख डिजिटल न्यूज़ पब्लिशर्स का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स एसोसिएशन (DNPA) ने सुप्रीम कोर्ट में 'डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट' को चुनौती दी है। संगठन का तर्क है कि इस कानून में पत्रकारिता के लिए कोई छूट न होने से खोजी पत्रकारिता और गोपनीय स्रोतों की सुरक्षा पर खतरा पैदा हो सकता है। इस कानून के कई कड़े प्रावधान मई 2027 से लागू होने वाले हैं।

सीएम रेखा बोलीं- हर बेटी निडर होकर आगे बढ़ेगी शहर में 50 हजार सीसीटीवी कैमरे



नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम कॉलेज में सेंटेनरी शैक्षणिक भवन, कंप्यूटर केंद्र और कौशल विकास केंद्र का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने महिला सुरक्षा को लेकर दिल्ली सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि राजधानी में एक लाख स्मार्ट स्ट्रीट लाइट लगाने और 50 हजार नए ष्टष्टअङ्क कैमरे लगाने की योजना पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की हर बेटी निडर होकर आगे बढ़े, इसके लिए सरकार उसकी सुरक्षा, सम्मान और सपनों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने छात्राओं से संवाद करते हुए कहा कि और आत्मनिर्भर बनने के लिए सक्षम बनाना है।

तमिलनाडु की जेल से 17 कैदी फरार, 5 गिरफ्तार,मिर्गी के दौरे का नाटक कर गार्डों पर हमला किया



चेन्नई। तमिलनाडु के थेनी जिले की थेक्कमपट्टी सब-जेल से सोमवार देर रात 17 कैदी फरार हो गए। कैदियों ने एक साथी को मिर्गी का दौरा पड़ने का नाटक किया। उसकी मदद के लिए जैसे ही जेलकर्मी सेल में पहुंचे, सभी ने उन पर हमला कर दिया और फरार हो गए। पुलिस ने अब तक 5 कैदियों को गिरफ्तार किया है।बाकी कैदियों की तलाश जारी है। उन्हें पकड़ने के लिए 17 स्पेशल टीमें बनाई गई हैं। आसपास के जिलों में अलर्ट जारी किया गया है और पड़ोसी राज्य केरल की पुलिस को भी सूचना दी गई है। घटना के बाद ड्यूटी पर तैनात 9 जेलकर्मियों और अधिकारियों को लापरवाही के आरोप में सस्पेंड कर दिया गया है।तमिलनाडु में कैदियों के एक साथ फरार होने की यह 1995 के बाद बड़ी घटनाओं में से एक है।

बंगाल में रेप-मर्डर के आरोपी की पुलिस मुठभेड़ में मौत



नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना जिले के गायघाटा में 17 साल की छात्रा से रेप और हत्या के आरोपी 23 साल के युवक की पुलिस एनकाउंटर में मौत हो गई। सोमवार रात क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान आरोपी ने पुलिसकर्मी की सर्विस रिवॉल्वर छीनकर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसे गोली लगी।पश्चिम बंगाल में 1 मई से 24 सितंबर तक रेप के 2,454 मामले दर्ज हुए। यानी इन पांच महीनों में हर दिन औसतन करीब 17 रेप के मामले सामने आए। क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान पुलिसमौत की यह तीन महीने में दूसरी घटना है।

गडकरी बोले- ई20 के खिलाफ पैसे देकर प्रोपेगेंडा चलाया गया

बेवजह शोर मचाया; कल सरकार ने 100 प्रतिशत एथेनॉल वाले फ्यूल को मंजूरी दी

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि करीब 3 महीने पहले श्र20 फ्यूल का काफी विरोध हुआ था, लेकिन अब यह विरोध खत्म हो गया है। उन्होंने इसे पैसे देकर चलाया गया अभियान बताया। गडकरी का ये बयान केंद्र सरकार के 100त्न एथेनॉल-ब्लेंडेड फ्यूल के इस्तेमाल को मंजूरी देने के एक दिन बाद आया है। दरअसल, भारत में 20त्न एथेनॉल और 80त्न पेट्रोल के इस मिश्रण का विरोध हो रहा था। दावा किया गया था ।



100 प्रतिशता एथेनॉल वाले ईंधन को सरकार की मंजूरी

केंद्र सरकार ने सोमवार को 100त्न एथेनॉल-ब्लेंडेड फ्यूल के इस्तेमाल को मंजूरी दी थी। हालांकि, इसे सिर्फ उन्हीं गाड़ियों में इस्तेमाल किया जा सकेगा, जिन्हें कंपनी ने खासतौर पर श्र100 फ्यूल से चलने के लिए बनाया हो। नए नियमों से ऐसी कारों की टेस्टिंग और उन्हें चलाने की मंजूरी मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

कई देशों में एथेनॉल मिला पेट्रोल पहले से इस्तेमाल हो रहा

सरकार के मुताबिक, पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने से भारत ने कच्चे तेल के आयात पर 1.4 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की विदेशी मुद्रा बचाई है। इससे ऊर्जा सुरक्षा बढ़ी, प्रदूषण कम हुआ और किसानों को फायदा मिला। अमेरिका, ब्राजील और जापान जैसे देशों में भी एथेनॉल मिला पेट्रोल इस्तेमाल होता है।

360 नए धान खरीदी केंद्र खुलने से किसानों को मिलेगी बड़ी सहूलियत, अधिक सुगम होगी धान खरीदी प्रक्रिया

किसानों की समृद्धि और आय बढ़ाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय उत्कृष्ट कृषक रत्न सम्मान समारोह' में हुए शामिल किसानों की समृद्धि और उनकी आय बढ़ाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण जीवन का आधार खेती-किसानी है। अन्नदाता किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले, खेती की लागत कम हो और सिंचाई सहित सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध हों, इसके लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर के सिविल लाइंस स्थित सर्किट हाउस में श्रद्धेय मनहरण लाल पाण्डेय की जयंती के अवसर पर आयोजित 'उत्कृष्ट कृषक रत्न सम्मान समारोह' को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय उत्कृष्ट कृषक रत्न सम्मान समारोह' में हुए शामिल



इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रगतिशील किसानों को उत्कृष्ट कृषक रत्न सम्मान से सम्मानित किया और कृषि के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की लगभग 80 प्रतिशत जनता प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से कृषि कार्य से जुड़ी हुई है। इसलिए किसानों की खुशहाली से ही गांव और प्रदेश की खुशहाली का मार्ग प्रशस्त होगा। हमारी सरकार किसानों की आय बढ़ाने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने के संकल्प के साथ लगातार कार्य कर रही है।

360 नए धान खरीदी केंद्रों से किसानों को मिलेगी बड़ी सुविधा

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस वर्ष 15 नवंबर से धान खरीदी प्रारंभ हो रही है। राज्य सरकार ने किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए धान खरीदी व्यवस्था को और सुगम बनाने के लिए 360 नए धान खरीदी केंद्र खोलने का निर्णय लिया है। नए केंद्र खुलने से किसानों को धान बेचने के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी और खरीदी केंद्रों पर दबाव भी कम होगा। इससे किसानों के समय और श्रम की बचत होगी तथा धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक बनेगी।

अभिषेक-सूर्यवंशी की वर्ल्ड रिकॉर्ड पार्टनरशिप से जीता भारत



199 रन का टारगेट 13.2 ओवर में हासिल किया, सीरीज भी जीती

एजेंसी ➤ वेलिंगटन

अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी की तूफानी बैटिंग की बदौलत भारत ने तीसरे टी-20 में न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हरा दिया। भारत ने 199 रन का टारगेट सिर्फ 13.2 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। इसके साथ ही टीम इंडिया ने पांच मैचों की सीरीज दो मैच बाकी रहते ही जीत ली है।अभिषेक ने 35 बॉल पर टी-20 इंटरनेशनल करियर का चौथा शतक लगाया। वैभव ने 19 गेंदों पर 45 रन बनाए। दोनों के बीच 43 बॉल पर 133 रन की साझेदारी हुई। इन दोनों की पार्टनरशिप के दौरान भारत ने दो वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़े।

भारत ने महज 5 ओवर में 100 रन पूरे कर लिए। यह टी-20 इंटरनेशनल में सबसे तेज टीम शतक है। भारत ने पावरप्ले का सबसे बड़ा स्कोर भी बनाया। 6 ओवर में भारत ने बिना विकेट खोए 118 रन बना लिए।

गैंगस्टर लॉरेंस साबरमती जेल के हाई सिक्योरिटी ब्लॉक में शिफ्ट

अहमदाबाद। गैंगस्टर लॉरेंस को हाल ही में अहमदाबाद की साबरमती सेंट्रल जेल के हाई-सिक्योरिटी 200 खोली ब्लॉक में शिफ्ट किया गया है। इस ब्लॉक में 2008 सीरियल ब्लास्ट के आतंकियों समेत गंभीर अपराधों के दोषियों को रखा गया है।टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार, लॉरेंस को अलग रखने और कैदियों की एक-दूसरे की सेल में आवाजाही रोकने के लिए ब्लॉक को चार हिस्सों में बांटा गया है। हर हिस्से में 50 कैदी हैं। लॉरेंस की सेल करीब 7.5×11 फीट का है। लॉरेंस इस जेल में 10 मई 2023 से बंद है।लॉरेंस के नेटवर्क पर लगाम लगाने के लिए यह कदम उठाया गया है। जांचकर्ताओं के मुताबिक, पिछले दो साल से लॉरेंस का कोई सीधा संपर्क सामने नहीं आया है। साबरमती जेल में बंद होने के बावजूद उसका गिरोह विदेश से संचालित हो रहा है।18 अक्टूबर को मुंबई में एक्टर टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग हुई थी। इस हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग से जुड़े अनिल पंडित ने ली थी।मुंबई के जुहू में बाइक सवार 3 शूटर्स ने टाइगर की कार पर 5 राउंड फायरिंग की थी। इसमें टाइगर का ड्राइवर और एक फैन घायल हो गया था।मुंबई के जुहू में बाइक सवार 3 शूटर्स ने टाइगर की कार पर 5 राउंड फायरिंग की थी। इसमें टाइगर का ड्राइवर और एक फैन घायल हो गया था।लॉरेंस को इससे पहले साबरमती जेल के ही '10 खोली' नाम के हाई-सिक्योरिटी ब्लॉक में रखा गया था।



एक्टर इमरान के देश छोड़ने पर 2 नवंबर तक

बॉम्बे हाईकोर्ट ने रोक लगाई; SIR के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए गए थे

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

अभिनेता इमरान खान को भारत छोड़ने के आदेश पर बॉम्बे हाईकोर्ट से 2 नवंबर दोपहर 3 बजे तक के लिए अंतरिम राहत मिल गई है।इमरान 10 अक्टूबर को SIR के विरोध में मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में कॉकरोच पार्टी के प्रदर्शन में पहुंचे थे।एक्टर आमिर खान के भांजे इमरान अमेरिकी नागरिक और OCI कार्ड धारक हैं, इसलिए वह भारत में किसी भी विरोध प्रदर्शन में भाग नहीं ले सकते।इस पर स्त्रक्रह्म ने उन्हें नोटिस जारी करके 28 अक्टूबर तक देश छोड़कर जाने को कहा था।इमरान खान ने इस नोटिस को मनमाना बताते हुए इसके खिलाफ याचिका दायर की थी। इस पर चीफ जस्टिस महेश चंद्र त्रिपाठी और जस्टिस अद्वैत सेठना की पीठ ने सुनवाई की।कोर्ट में केंद्र सरकार ने कहा कि अगली सुनवाई तक अभिनेता के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।



केंद्र ने मांगा समय, कोर्ट ने 2 नवंबर तक टाली सुनवाई: लीगल पोर्टल बार एंड बेंच के मुताबिक, सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने जवाब दाखिल करने के लिए और समय मांगा।



चक्रवात अर्नब तेजी से आंध्र प्रदेश की तरफ बढ़ रहा:16 जिलों में अलर्ट; ओडिशा में बारिश, स्कूल बंद

चेन्नई/भुवनेश्वर/भोपाल/जयपुर/लखनऊ। बंगाल की खाड़ी में चक्रवात अर्नब तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके 28 अक्टूबर की सुबह यनम के पास बापटला और विशाखापत्तनम के बीच तट से टकराने की आशंका है। इसे देखते हुए आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में बचाव की तैयारियां की जा रही हैं।आंध्र प्रदेश के 16 जिलों में अलर्ट जारी किया गया है। विशाखापत्तनम में ऑरेंज अलर्ट है। श्रीकाकुलम, विजयनगरम और अनकापल्ली में तेज हवाओं और हल्की बारिश की आशंका है।

ओडिशा के पुरी में भारी बारिश से जलभराव हुआ है। खुर्दा में भी बारिश हुई है। सुरक्षा के मद्देनजर नावों का संचालन तीन दिन के लिए बंद कर दिया गया है और स्कूल भी बंद हैं।

द हिंदू, इंडिया टुडे, जी मीडिया और एबीपी सहित अन्य मीडिया संस्थान शामिल

डेटा संरक्षण कानून को चुनौती, सुप्रीम कोर्ट पहुंचे 21 मीडिया समूह, केंद्र को नोटिस

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

DNPA की याचिका पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने केंद्र सरकार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से जवाब तलब किया।21 प्रमुख डिजिटल न्यूज़ पब्लिशर्स का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट में 'डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट' को चुनौती दी है। संगठन का तर्क है कि इस कानून में पत्रकारिता के लिए कोई छूट न होने से खोजी पत्रकारिता और गोपनीय स्रोतों की सुरक्षा पर खतरा पैदा हो सकता है। इस कानून के कई कड़े प्रावधान मई 2027 से लागू होने वाले हैं।

याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से जवाब तलब किया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने हालांकि, सरकार का पक्ष सुने बिना कानून पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया। मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर 2026 को होगी। याचिका दायर करने वाले 21 समाचार प्रकाशकों में मुकेश अंबानी के रिलायंस समूह की नेटवर्क18, गौतम अडानी समूह की एनडीटीवी, द इंडियन एक्सप्रेस, टाइम्स इंटरनेट, द हिंदू, इंडिया टुडे, जी मीडिया और एबीपी सहित अन्य मीडिया संस्थान शामिल हैं।

पत्रकारिता की स्वतंत्रता प्रभावित होने की आशंका

DNPA का कहना है कि कानून में पत्रकारिता के लिए स्पष्ट छूट नहीं होने से खोजी पत्रकारिता और जनहित से जुड़ी खबरों के प्रकाशन में बाधाएं आ सकती हैं। याचिका के अनुसार, व्यक्तिगत डेटा के इस्तेमाल से जुड़े नोटिस, सहमति और डेटा मिटाने के प्रावधानों के कारण पत्रकारों को जांच के दायरे में आए व्यक्तियों की अनुमति लेने या प्रकाशित खबरों को हटाने जैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।एसोसिएशन ने यह भी आशंका जताई है कि सरकार को डेटा से संबंधित

निजता और प्रेस की स्वतंत्रता में संतुलन जरूरी

DNPA की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता माधवी दीवान ने दलील दी कि पत्रकारिता को स्पष्ट छूट नहीं देना प्रेस पर पूर्व-नियंत्रण जैसी स्थिति पैदा कर सकता है। उन्होंने कहा कि खबर प्रकाशित करने से पहले संबंधित व्यक्ति की अनुमति लेने की बाध्यता न्यूजरूम के कामकाज को प्रभावित करेगी।मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि मीडिया संस्थानों को व्यक्तिगत डेटा के दुरुपयोग को रोकने के उपाय भी सुझाने चाहिए।

न्यूज इन शॉर्ट

रायपुर में कारोबारी नितिन डागा के घर ED रेड

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कई जिलों में प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने छापेमारी की है। यह कार्रवाई रायपुर के पंडरी इलाके के रवि नगर स्थित सुशील विला में हुई है। कारोबारी नितिन डागा के घर दो गाड़ियों में पहुंची टीम सुबह से ही अंदर डॉक्यूमेंट्स की जांच कर रही है।इसके अलावा दुर्ग में ऋषभ कॉलोनी में बघेल्स कॉर्पोरेट के फाउंडर और ठगी के आरोपी गुलशन बघेल के घर श्वष्ठ की टीम ने दबिश दी है। टीम दो गाड़ियों में पहुंची, जिसमें 10 से ज्यादा अधिकारी शामिल हैं। फिलहाल मौके पर जांच जारी है। यह कार्रवाई भारतमाला प्रोजेक्ट से जुड़े मामले में होने की आशंका है। हालांकि, आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

कौन है गुलशन बघेल

गुलशन बघेल, बघेल्स कॉर्पोरेट प्राइवेट लिमिटेड के फाउंडर हैं। कंपनी बिल्डिंग निर्माण, सड़क निर्माण, अर्थवर्क, मटेरियल हैंडलिंग और ट्रांसपोर्ट सेवाओं से जुड़े काम करती है। कंपनी सरकारी और निजी क्षेत्र की निर्माण परियोजनाओं में भी काम करती है।पूपेश बघेल का भतीजा बताकर की थी ठगी

करीब 6 साल पहले गुलशन बघेल पर खुद को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का भतीजा बताकर सरकारी नौकरी लगवाने का दावा करने और एक महिला से ठगी करने के आरोप में पुलिस ने पकड़ा था।

ज्वेलरी और जमीन के कारोबार से जुड़े हैं डागा

रायपुर के पंडरी स्थित रवि नगर में आज सुबह करीब 4 बजे श्वष्ठ ने नितिन डागा के घर छापेमारी की। दो गाड़ियों में पहुंचे आधा दर्जन अधिकारी दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं। नितिन डागा का ज्वेलरी और जमीन का कारोबार बताया जा रहा है।

किस मामले में कार्रवाई, जानकारी नहीं

फिलहाल श्वष्ठ की यह कार्रवाई किस मामले से जुड़ी है, इसे लेकर आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। जांच का दायरा और कार्रवाई से जुड़े अन्य विवरण भी स्पष्ट नहीं हैं। मामले में आधिकारिक जानकारी मिलने के बाद ही स्थिति साफ हो सकेगी।



जनदर्शन में कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने सुनी आम नागरिकों की समस्याएं, निराकरण के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

एमसीबी कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन में जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं, शिकायतें एवं मांगें गंभीरतापूर्वक सुनीं। इस दौरान नागरिकों ने भूमि विवाद, आर्थिक सहायता, दिव्यांगजनों के लिए ट्राईसाइकिल, शासकीय नियुक्ति, ऋण स्वीकृति, निर्माण कार्य, धान खरीदी केंद्र परिवर्तन, नामांतरण, सीमांकन एवं पेयजल सुविधाओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रेषित करते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई एवं समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए।

भूमि विवाद, आर्थिक सहायता एवं शासकीय सेवाओं से जुड़े आवेदन प्राप्त जनदर्शन में ग्राम बिछली निवासी संतोष सिंह ने मिशन शक्ति महिला सशक्तिकरण हब के अंतर्गत चयनित जेंडर विशेषज्ञ एसटी पद पर नियुक्ति आदेश जारी करने की मांग की। ग्राम बहरासी निवासी राजेन्द्र सिंह ने ट्राईसाइकिल प्रदान करने, कोरिया निवासी मंगल प्रसाद ने सेवानिवृत्त पटवारी की पीएफ पासबुक का सत्यापन कराने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। ग्राम नीदिया निवासी राजेश कुमार ने आर्थिक सहायता तथा ग्राम काशी टोला निवासी राजू सिंह श्याम ने धान खरीदी केंद्र परिवर्तन की मांग रखी। वहीं ग्राम बाही निवासी लखनी, झगड़ाखांड निवासी राम प्रसाद एवं मनेन्द्रगढ़ निवासी राजेश्वर राव ने भूमि एवं नामांतरण संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए आवेदन दिए। निर्माण कार्यों एवं पंचायत संबंधी समस्याओं पर भी हुई सुनवाई ग्राम जुईली निवासी मोतीलाल ने सड़क निर्माण कार्य की स्वीकृति, मानवती ने पंचायत सचिव के अतिरिक्त प्रभार में परिवर्तन तथा ग्रामवासियों ने विभिन्न निर्माण कार्यों की स्वीकृति के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किए।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आमजनों की समस्याएं, अधिकारियों को शीघ्रता से निराकरण करने दिए निर्देश

तहसीलदार को मौका निरीक्षण कर वस्तुस्थिति की जानकारी लेने तथा प्राथमिकता से प्रकरण निराकृत करने कहा

संवाददाता ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

अरपा सभा कक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे ग्रामीणों एवं नागरिकों की समस्याएं बारी-बारी से सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न मांगों, समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित 48 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने आवेदनों का गंभीरता से अवलोकन करते हुए संबंधित विभागों को नियमानुसार शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने पैतृक भूमि पर अनावेदकों द्वारा अवैध कब्जा एवं निर्माण किए जाने संबंधी आवेदन पर तहसीलदार को मौका निरीक्षण कर वस्तुस्थिति की जानकारी लेने तथा प्राथमिकता से प्रकरण निराकृत करने कहा।

कलेक्टर ने आपसी सहमति से बंटवारे से संबंधित आवेदन पर पंचायत के प्रस्ताव के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई कराने कहा। उन्होंने विवादित राजस्व मामलों के निराकरण के लिए सक्षम न्यायालय में प्रकरण दर्ज कराने की सलाह दी। जनसुनवाई में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बकाया मजदूरी का भुगतान कराने तथा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत अनुदान राशि दिलाने सहित विभिन्न विषयों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए गए। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों की जांच कर पात्रतानुसार लाभ एवं लंबित भुगतान दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने कहा। उन्होंने सभी आवेदनों पर निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं का पालन करते हुए शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।



मनेन्द्रगढ़ के ग्राम मोरगा में पोल्ट्री फार्म निर्माण पर विवाद, सरपंच ने कलेक्टर से लगाई रोक लगाने की गुहार

ग्राम पंचायत मोरगा में आबादी क्षेत्र के पास निर्माण का मामला, ग्रामीणों ने जताई आपत्ति

महेंद्र शुक्ला ➤ मनेन्द्रगढ़/एमसीबी

जिले के ग्राम पंचायत मोरगा में कथित तौर पर पोल्ट्री फार्म के निर्माण को लेकर विवाद सामने आया है। ग्राम पंचायत मोरगा के सरपंच सुरेश कुमार सिंह ने जिला कलेक्टर को आवेदन सौंपकर निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। इस संबंध में सरपंच ने संबंधित अधिकारियों को भी प्रतिलिपि भेजी है।

प्राप्त आवेदन के अनुसार, ग्राम पंचायत मोरगा के आश्रित ग्राम संधा के वार्ड क्रमांक 10 में जमीन मालिक जगदीश चंदा के प्लॉट खसरा नंबर 59/4 में पोल्ट्री फार्म का निर्माण कराया जा रहा है। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि निर्माण कार्य से आसपास रहने वाले ग्रामीणों को परेशानी हो सकती है। सरपंच ने यह भी दावा किया है कि ग्राम पंचायत से अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) प्राप्त किए बिना निर्माण कार्य किया जा रहा है।



ग्रामीणों की आपत्ति, प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग

आवेदन में कहा गया है कि वार्ड के निवासियों द्वारा निर्माण का विरोध किए जाने के बावजूद काम जारी है। सरपंच ने कलेक्टर से मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थल की जांच कराने और आवश्यक कार्रवाई होने तक निर्माण कार्य पर रोक लगाने का अनुरोध किया है।मामले की प्रतिलिपि अनुविभागीय दंडाधिकारी मनेन्द्रगढ़, नायब तहसीलदार नागपुर तथा संबंधित पुलिस चौकी प्रभारी को भी भेजे जाने का उल्लेख है।

रायपुर-अभनपुर रेल लाइन पर केंद्री रेलवे लेवल क्रॉसिंग क्रमांक आर.डी.-22 मरम्मत हेतु सड़क यातायात के लिए बंद रहेगा



संवाददाता ➤ रायपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल के अंतर्गत रायपुर-अभनपुर रेल लाइन पर स्थित केंद्री रेलवे लेवल क्रॉसिंग क्रमांक आर.डी.-22 (किमी 31/6-7) पर आवश्यक एवं विशेष मरम्मत कार्य किया जाना है। इस कार्य के चलते उक्त रेलवे फाटक से सड़क यातायात अस्थायी रूप से बंद रहेगा।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, दिनांक 28 अक्टूबर 2026 को रात्रि 21:00 बजे से 29 अक्टूबर 2026 को सुबह 09:00 बजे तक रेलवे लेवल क्रॉसिंग क्रमांक आर.डी.-22 पर सड़क मार्ग से आवागमन पूर्णतः बंद रहेगा।रेलवे प्रशासन द्वारा संबंधित रेलवे फाटक पर सुरक्षित एवं सुचारु रेल परिचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह मरम्मत कार्य किया जा रहा है। आम नागरिकों एवं सड़क उपयोगकर्ताओं से अनुरोध है कि उक्त अवधि में असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें।

पॉंडी थाने के 11 माह से फरार आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, न्यायिक रिमांड पर भेजा जेल

कोरिया जिले के मंडलपारा का निवासी है आरोपी संतोष कोड़ाकू उर्फ देवार, पुलिस ने घटना में प्रयुक्त लोहे का रॉड भी किया जब्त

संवाददाता ➤ रायपुर

जिले में लंबित प्रकरणों के फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत पॉंडी पुलिस को सफलता मिली है। वर्ष 2025 में दर्ज एक आपराधिक मामले में करीब 11 माह से फरार चल रहे आरोपी संतोष कोड़ाकू उर्फ देवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को 27 अक्टूबर 2026 को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

पुलिस से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, आरोपी संतोष कोड़ाकू उर्फ देवार पिता बेचन कोड़ाकू, निवासी ग्राम मंडलपारा (मझगवां), थाना बैकुंठपुर, जिला कोरिया (छत्तीसगढ़) के विरुद्ध थाना पॉंडी में अपराध क्रमांक 104/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 296, 115(2), 351(2) तथा 109(1) में प्रकरण दर्ज है। आरोपी घटना दिनांक 3 दिसंबर 2025 से लगातार फरार चल रहा था।



फरार आरोपी की तलाश और गिरफ्तारी के लिए पुलिस महानिरीक्षक दीपक कुमार झा, पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल विश्वकर्मा तथा नगर पुलिस अधीक्षक चिरमिरी रवि कुमार कुजूर के मार्गदर्शन में कार्रवाई की गई। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पॉंडी पुलिस ने आरोपी की तलाश के लिए टीम गठित की।

चौकी प्रभारी नागपुर उप निरीक्षक सुनील तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में लिया। पुलिस ने मामले में घटना के दौरान इस्तेमाल किए गए लोहे के रॉड को भी जब्त किया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल कराया गया।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी उप निरीक्षक सुनील तिवारी, प्रधान आरक्षक मुमताज खान, संजय पाण्डेय, आरक्षक अखिलेश जायसवाल सहित नागपुर चौकी के अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मनेन्द्रगढ़ में बीपीएम सुलेमान खान को लेकर विवाद, ड्यूटी छोड़ राजनीति करने का आरोप

निजी अस्पताल अमृत तुलसी से जुड़े नस्ती चोरी प्रकरण को लेकर सोशल मीडिया पर उठे सवाल, शिकायतकर्ता ने कमिश्नर से शिकायत करने की कही बात

महेंद्र शुक्ला ➤ मनेन्द्रगढ़/एमसीबी

मनेन्द्रगढ़ में बीपीएम सुलेमान खान को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के सामने आने के बाद विवाद की स्थिति बन गई है। पोस्ट में उन पर शासकीय दायित्वों की अनदेखी करने और ड्यूटी के दौरान राजनीति में सक्रिय रहने के आरोप लगाए गए हैं। इसके साथ ही चिरमिरी के निजी अस्पताल अमृत तुलसी से जुड़े नस्ती चोरी प्रकरण का मुद्दा भी उठाया गया है।

सोशल मीडिया पर विशेष कुमार सोनी के नाम से साझा की गई पोस्ट में सुलेमान खान की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया गया है कि वे राजनीतिक नेताओं से अपनी नजदीकियों का हवाला देते हैं। पोस्ट में यह दावा भी किया गया है कि नस्ती चोरी के मामले में उन्हें दोषी पाया गया है। हालांकि, इस दावे की पुष्टि करने वाले आधिकारिक दस्तावेज और संबंधित प्रकरण की विस्तृत जानकारी फिलहाल सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है।



कमिश्नर से शिकायत करने की बात

पोस्ट साझा करने वाले शिकायतकर्ता ने मामले को कमिश्नर के समक्ष उठाने की बात कही है। उन्होंने आरोपों के संबंध में साक्ष्य होने का दावा भी किया है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि शिकायत औपचारिक रूप से प्रस्तुत की जाती है या नहीं और संबंधित विभाग इस मामले में क्या कदम उठाता है।

शासकीय दायित्वों को लेकर उठे सवाल

इस मामले ने शासकीय कर्मचारियों की कार्यप्रणाली, ड्यूटी के प्रति जिम्मेदारी और सेवा नियमों के पालन को लेकर सवाल खड़े किए हैं। यदि किसी कर्मचारी के विरुद्ध ड्यूटी में लापरवाही या सेवा नियमों के उल्लंघन की शिकायत मिलती है, तो संबंधित विभाग को तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष जांच करनी चाहिए।

आधिकारिक जांच और पक्ष का इंतजार

फिलहाल सोशल मीडिया पर लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है। मामले में सुलेमान खान का पक्ष, नस्ती चोरी प्रकरण से संबंधित आधिकारिक दस्तावेज और विभागीय जांच की स्थिति सामने आने स्पष्ट आकलन किया जा सकेगा।

बिलाईगढ़ जनपद सीईओ ने सलिहा और धौराभाठा में किया स्थल निरीक्षण, हितग्राहियों से की चर्चा

प्रधानमंत्री आवास योजना के अपूर्ण आवास एक माह में पूर्ण कराने के निर्देश

सलिहा में 378 स्वीकृत आवासों में से 309 पूर्ण, शेष 69 आवासों के निर्माण में तेजी लाने के निर्देश

संवाददाता ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़,

राज्य शासन की मंशानुरूप प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत प्रत्येक पात्र परिवार को पक्का आवास उपलब्ध कराने तथा स्वीकृत आवासों का निर्माण समय-सीमा में पूर्ण कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू के निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत सीईओ श्री ऋषिकेश तिवारी के मार्गदर्शन में जिले में अपूर्ण आवासों के निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा एवं निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में जनपद पंचायत बिलाईगढ़ की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती योगेश्वरी बर्मन ने ग्राम पंचायत सलिहा एवं धौराभाठा (सु) का दौरा कर निर्माणाधीन एवं अपूर्ण आवासों का स्थल निरीक्षण किया तथा हितग्राहियों को एक माह के भीतर निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।



निरीक्षण के दौरान जनपद सीईओ श्रीमती बर्मन ने आवास हितग्राहियों के घर पहुंचकर निर्माण कार्यों की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने गांव में चौपाल लगाकर हितग्राहियों से चर्चा की तथा आवास निर्माण में हो रही देरी के कारणों और कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ पात्र परिवारों को समय पर मिलना सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए हितग्राही एवं संबंधित विभागीय अमला आपसी समन्वय से निर्माण कार्यों में तेजी लाएं।

सलिहा में 69 अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने पर जोर

ग्राम पंचायत सलिहा में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत कुल 378 आवास स्वीकृत हैं, जिनमें से 309 आवासों का निर्माण पूर्ण हो चुका है, जबकि 69 आवास अपूर्ण हैं। जनपद सीईओ ने इन आवासों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित हितग्राहियों को एक माह के भीतर निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम पंचायत के सचिव, रोजगार सहायक एवं आवास योजना से जुड़े अमले को निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करने तथा आवश्यक समन्वय के माध्यम से अपूर्ण आवासों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराने के लिए निर्देशित किया।

श्रीमती बर्मन ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के पात्र परिवारों को सुरक्षित एवं पक्का आवास उपलब्ध कराकर उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है। ऐसे में स्वीकृत आवासों के निर्माण में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। उन्होंने निर्धारित समय-सीमा में आवास निर्माण पूर्ण नहीं करने की स्थिति में नियमानुसार राशि वसूली की कार्रवाई किए जाने की भी चेतावनी दी।

निरीक्षण के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के विकासखंड समन्वयक श्री विद्यासागर साहू एवं तकनीकी सहायक श्री लकेश्वर महिलांगे उपस्थित रहे। इस अवसर पर संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, पंचगण एवं आवास हितग्राही भी मौजूद थे। अधिकारियों ने निर्माण कार्यों की प्रगति की नियमित समीक्षा करते हुए सभी अपूर्ण आवासों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

न्यूज इन शॉर्ट

शासकीय आईटीआई सरिया में जिला स्तरीय रोजगार मेला 30 अक्टूबर को

सारंगढ़-बिलाईगढ़। स्थानीय आवेदकों को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 30 अक्टूबर, शुक्रवार को प्रातः 10.30 बजे से शासकीय आईटीआई सरिया में जिला स्तरीय रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। मेले में निजी क्षेत्र के विभिन्न नियोजकों द्वारा कुल 266 पदों पर भर्ती के लिए आवेदकों का चयन किया जाएगा।रोजगार मेले में भाग लेने के लिए आवेदकों का ई-रोजगार पोर्टल में पंजीकृत होना आवश्यक है। मेला स्थल पर भी पंजीयन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। योग्यताधारी आवेदक अपने समस्त मूल प्रमाण पत्रों एवं आवश्यक जानकारी के साथ उपस्थित होकर मेले में भाग ले सकते हैं। रिक्त पदों की विस्तृत जानकारी ई-रोजगार पोर्टल तथा संबंधित कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।प्राप्त जानकारी के अनुसार मेसर्स श्रमिन टैलेंट प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा द्वारा टेक्नीशियन के 59 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए शैक्षणिक योग्यता 12वीं अथवा आईटीआई निर्धारित है। इन पदों के लिए पुरुष आवेदक पात्र होंगे। कार्यक्षेत्र सारंगढ़ रहेगा तथा वेतन 15 हजार 100 रुपये निर्धारित है।मेसर्स स्वतंत्र माइक्रो फिन प्राइवेट लिमिटेड, रायपुर द्वारा फील्ड ऑफिसर के 30 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए 10वीं अथवा 12वीं उत्तीर्ण आवेदक पात्र होंगे। इन पदों के लिए सभी आवेदक भाग ले सकते हैं। कार्यक्षेत्र सरिया, बसना एवं सारंगढ़ रहेगा तथा वेतन 12 हजार 200 रुपये निर्धारित है।
इसी प्रकार मेसर्स टीपीएल सर्विस प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा टेक्नीशियन के 5, फिटर के 50, ग्राइंडर ऑपरेटर के 20, लेथ मशीन ऑपरेटर के 5, वेल्डर के 17, टर्नर के 5, क्रेन ऑपरेटर के 10, मशीन ऑपरेटर के 15 और हेल्पर के 50 पदों पर भर्ती की जाएगी। टेक्नीशियन, फिटर, ग्राइंडर ऑपरेटर, लेथ मशीन ऑपरेटर, वेल्डर, टर्नर एवं क्रेन ऑपरेटर के लिए आईटीआई, मशीन ऑपरेटर के लिए डिप्लोमा अथवा आईटीआई और हेल्पर के लिए 12वीं उत्तीर्ण योग्यता निर्धारित है।टीपीएल सर्विस के इन पदों के लिए पुरुष आवेदक पात्र होंगे। सभी पदों के लिए दो वर्ष का कार्यानुभव तथा 14 हजार से 25 हजार रुपये तक वेतन निर्धारित है। चयनित आवेदकों का कार्यक्षेत्र जेएसपीएल रायगढ़ होगा।

बिहान दीदियों के हुनर से रोशन होगी दीपावली, कलेक्ट्रेट में पहले दिन 40 हजार 840 रुपए के उत्पाद बिके



सारंगढ़-बिलाईगढ। दीपावली की तैयारियों के बीच मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में बिहान की दीदियों के स्वनिर्मित उत्पादों से सजे स्टॉलों ने लोगों का ध्यान खींचा। मिट्टी के दीपक और रुई की बातियों से लेकर मिठाइयों, पूजा सामग्री, सजावटी सामान और बांस से बनी घरेलू वस्तुओं तक, हर उत्पाद में महिला समूहों की मेहनत और हुनर की झलक दिखाई दी। पहले ही दिन समूहों ने 40 हजार 840 रुपए के उत्पादों की बिक्री की।
स्थानीय महिला स्व-सहायता समूहों के स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने और उनके उत्पादों को बाजार उपलब्ध ज

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संतन देवी जांगड़े की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक संपन्न

मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की तैयारियों पर हुई चर्चा, 12 नवंबर को प्रारंभिक प्रकाशन और 11 दिसंबर तक प्राप्त किए जाएंगे दावे-आपत्तियां

संवाददाता ➤ रायपुर

/27 अक्टूबर 2026/ कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े की अध्यक्षता में आज फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम, अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के संबंध में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार मतदाता सूची के पुनरीक्षण की निर्धारित समय-सारणी, नवीन मतदाताओं के पंजीयन, दावे-आपत्तियों के निराकरण, मतदान केंद्रों की स्थिति तथा स्वच्छ, अद्यतन एवं त्रुटिरहित निर्वाचक नामावली तैयार करने के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कलेक्टर ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से पुनरीक्षण कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग करने तथा प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने के लिए व्यापक जनजागरूकता सुनिश्चित करने का आग्रह किया।



बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी लिंगराज सिदार, एसडीएम शशि शेखर मिश्रा, उत्तम कुमार ध्रुव, प्रदीप कुमार राठिया, जिला शिक्षा अधिकारी रविकांत यादव, जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा, उपेन्द्र कुमार एवं सतीश द्विवेदी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

12 नवंबर को प्रारंभिक और 4 जनवरी को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन: बैठक में जानकारी दी गई कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन 12 नवंबर 2026 को किया जाएगा। इसके पश्चात 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक कार्यालयीन दिवसों में सभी मतदान केंद्रों पर मतदाता सूची से संबंधित दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। प्राप्त आवेदनों एवं आपत्तियों का नियमानुसार परीक्षण कर 28 दिसंबर 2026 तक निराकरण किया जाएगा। इसके बाद 04 जनवरी 2027 को अंतिम निर्वाचक नामावली का प्रकाशन किया जाएगा। मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण के संबंध में बताया गया कि जिले के दोनों विधानसभा क्षेत्रों में 1200 से अधिक मतदाताओं वाला कोई मतदान केंद्र नहीं है। साथ ही निर्धारित दूरी संबंधी मानकों के आधार पर भी किसी मतदान केंद्र के युक्तियुक्तकरण की आवश्यकता नहीं पाई गई है। इस कारण जिले में मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण का प्रस्ताव नहीं है।

विशेष अभियान के अंतर्गत जिले में प्राप्त हुए 4,529 फार्म-06

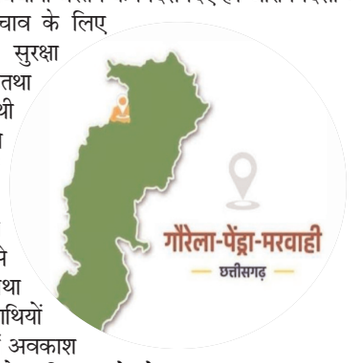
भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में जोड़ने तथा पंजीयन से वंचित मतदाताओं को अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से जिले में 05 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से विशेष रूप से युवा एवं छूटे हुए पात्र मतदाताओं के पंजीयन पर ध्यान दिया जा रहा है। बैठक में प्रस्तुत जानकारी के अनुसार 30 सितंबर 2026 से अब तक विधानसभा क्षेत्र भरतपुर-सोनहत से 1,958 तथा विधानसभा क्षेत्र मनेन्द्रगढ़ से 2,571 फार्म-06 प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार जिले के दोनों विधानसभा क्षेत्रों में कुल 4,529 आवेदन प्राप्त किए गए हैं।

धान खरीदी की तैयारियों के संबंध में प्रशिक्षण 28 अक्टूबर को

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान उपार्जन केंद्रों पर धान खरीदी की तैयारियों के संबंध में 28 अक्टूबर बुधवार को सुबह 11 बजे से कलेक्ट्रेट के अरपा सभा कक्ष में प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। प्रशिक्षण में पेंड्रारोड एवं मरवाही के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सहायक आयुक्त सहकारिता एवं सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं, जिला विपणन अधिकारी तथा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के नोडल अधिकारी को उपस्थित होने के लिए निर्देशित किया गया है। इसके साथ ही गौरेला, पेंड्रा, मरवाही एवं सकोला के तहसीलदार व नायब तहसीलदार, जिले के सभी खाद्य निरीक्षक तथा आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों के समस्त समिति प्रबंधक एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर भी प्रशिक्षण में शामिल होंगे।

हाथी विचरण क्षेत्र में विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए विशेष सावधानी बरतने के निर्देश

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। मरवाही वन क्षेत्र में 52 हाथियों के दल के विचरण को देखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों एवं शासकीय-अशासकीय विद्यालयों के संस्था प्रमुखों को विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार हाथियों से बचाव के लिए शासन द्वारा निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करने तथा विद्यार्थियों को हाथी विचरण क्षेत्र से दूर रहने और आसपास के लोगों को भी जागरूक करने कहा गया है। संस्था प्रमुखों को वन विभाग से समन्वय बनाए रखने तथा विद्यालय के आसपास हाथियों का दल होने पर शाला में अवकाश घोषित करते हुए बच्चों को सुरक्षित घर भेजने के निर्देश दिए गए हैं। इसकी सूचना संबंधित विकासखंड शिक्षा अधिकारी को देनी होगी। हाथी प्रभावित क्षेत्रों के विद्यालयों के शिक्षकों को बच्चों के सुरक्षित आवागमन के लिए विशेष कदम उठाने कहा गया है। विद्यार्थियों को सुरक्षित मार्गों की जानकारी देने तथा जंगलों, पगडंडियों एवं दुर्गम रास्तों से आने-जाने से बचाने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल संबंधित विकासखंड शिक्षा अधिकारी को अवगत कराने कहा गया है।



जल जीवन मिशन से बदली भरत सिंह की जिंदगी, अब घर पर ही मिल रहा शुद्ध पेयजल

स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से समय और श्रम की बचत, ग्रामीण परिवारों के जीवन में आ रहा सकारात्मक बदलाव

संवाददाता ➤ एमसीबी

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना ग्रामीण परिवारों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत संचालित इस योजना से मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम तोजा में भी ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। ग्राम पंचायत तोजा, विकासखंड भरतपुर निवासी भरत सिंह के जीवन में 'हर घर नल से जल' योजना ने सुविधाओं और सहूलियत का नया अध्याय जोड़ा है।



पहले पानी के लिए करनी पड़ती थी मशक्कत

भरत सिंह बताते हैं कि पहले उनके परिवार को पीने के पानी के लिए कुएं और हैंडपंप पर निर्भर रहना पड़ता था। स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल जुटाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, जिससे प्रतिदिन काफी समय और मेहनत खर्च होती थी। पानी की व्यवस्था करना दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण कार्य था, जिसमें परिवार को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था।

युवा रत्न सम्मान योजना के लिए आवेदन 30 अक्टूबर तक आमंत्रित

उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं को मिलेगा एक लाख से ढाई लाख रुपए तक का सम्मान, युवा संगठन को पांच लाख रुपए

संवाददाता ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही,

छत्तीसगढ़ शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश के प्रतिभाशाली युवाओं को प्रोत्साहित करने तथा विभिन्न क्षेत्रों में उनके उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से संचालित युवा रत्न सम्मान योजना 2026-27 के तहत जिले के पात्र युवाओं एवं स्वैच्छिक संगठनों से 30 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के अंतर्गत असाधारण एवं विशिष्ट सेवा कार्य के लिए एक युवा को छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। चयनित युवा को 2 लाख 50 हजार रुपए, पदक, शाल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करने वाले एक स्वैच्छिक संगठन को युवा संगठन सम्मान के तहत 5 लाख रुपए, पदक, शाल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 13 विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले एक-एक युवा को एक-एक लाख रुपए की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी। इन क्षेत्रों में सामाजिक कार्य, साहित्य, नवाचार एवं उद्योग, शिक्षा, खेल, पर्यावरण, महिला एवं बाल विकास, मीडिया, स्वास्थ्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, कला एवं संगीत तथा लोककला शामिल हैं।जिला स्तर पर प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर जिला स्तरीय चयन समिति की अनुशंसा के साथ संचालनालय, खेल एवं युवा कल्याण, रायपुर को भेजा जाएगा। अंतिम चयन राज्य स्तरीय चयन समिति द्वारा किया जाएगा। जिला खेल अधिकारी गौरेला-पेंड्रा-मरवाही ने जिले के प्रतिभाशाली युवाओं एवं पात्र स्वैच्छिक संगठनों से निर्धारित समय-सीमा में आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की है। योजना एवं आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी के लिए कार्यालय जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही से संपर्क किया जा सकता है।

क्षेत्रीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ का डंका

कृष्णा पब्लिक स्कूल, सरोना की टीम ने हासिल किया प्रथम स्थान, राष्ट्रीय मंच पर फिर प्रदेश का नाम रोशन करने की तैयारी

संवाददाता ➤ रायपुर

भारत विकास परिषद्, छत्तीसगढ़ प्रांत ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा, अनुशासन, संस्कार और राष्ट्रभक्ति का शानदार परिचय देते हुए क्षेत्र स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। मध्यप्रदेश के शहडोल में रविवार, 25 अक्टूबर को आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ सहित छह प्रांतों की टीमों ने हिस्सा लिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच छत्तीसगढ़ की टीम ने अपने शानदार सामूहिक गायन से बाजी मारते हुए पहला स्थान हासिल किया और अब राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए अपनी दावेदारी मजबूत कर ली है।

सुर, ताल और राष्ट्रभक्ति के संगम ने जीता दिल

छत्तीसगढ़ प्रांत का प्रतिनिधित्व कृष्णा पब्लिक स्कूल, सरोना, रायपुर के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने किया। विद्यार्थियों ने सुमधुर स्वरों, सुर-ताल के उत्कृष्ट समन्वय, सामूहिक गायन की एकरूपता, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुति से निर्णायकों एवं उपस्थित जनसमुदाय का मन मोह लिया।



टीम की इस शानदार उपलब्धि के पीछे विद्यालय के मुख्य संगीत शिक्षक श्री पवन भट्ट का निर्देशन तथा श्री मिथिलेश साहू, श्री राम पटेल एवं श्रीमती भारती साहू का मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा। विद्यार्थियों की नियमित मेहनत, निरंतर अभ्यास और शिक्षकों के समर्पित प्रयास ने प्रतियोगिता में सफलता की मजबूत नींव तैयार की।

पिछले साल राष्ट्रीय स्तर पर हासिल किया था दूसरा स्थान

कृष्णा पब्लिक स्कूल, सरोना की यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि इसी विद्यालय की टीम ने गत वर्ष राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान हासिल कर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया था। इस वर्ष क्षेत्र स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करना टीम की निरंतर प्रगति, कड़ी मेहनत और उत्कृष्ट तैयारी का प्रमाण माना जा रहा है। अब टीम की निगाहें राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता पर हैं, जहां छत्तीसगढ़ की यह प्रतिभाशाली टीम एक बार फिर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगी।

परिषद् के पदाधिकारियों की मौजूदगी ने बढ़ाया उत्साह

प्रतियोगिता के दौरान भारत विकास परिषद्, छत्तीसगढ़ प्रांत के प्रांत संयोजक (संस्कार) श्री विकास त्यागी तथा भिलाई से क्षेत्रीय संयोजक (संस्कार) श्री अनिल डागा की उपस्थिति ने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया।सफलता पर भारत विकास परिषद्, छत्तीसगढ़ प्रांत के अध्यक्ष श्री विनोद अग्रवाल एवं प्रांत महासचिव श्री मुरारी काबरा ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों, संगीत शिक्षक श्री पवन भट्ट एवं पूरे विद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों के अनुशासन, समर्पण, सतत अभ्यास और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुति की सराहना करते के लिए शुभकामनाएं दीं।

कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने की सड़क सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था की समीक्षा

राज्योत्सव और दीपावली को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट, सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने के निर्देश

संवाददाता ➤ एमसीबी

जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में आगामी राज्योत्सव एवं दीपावली पर्व के मद्देनजर जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े के नेतृत्व में बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्रीमती रत्ना सिंह के मार्गदर्शन में यातायात प्रबंधन, पार्किंग, अग्निशमन, भीड़ नियंत्रण तथा आपातकालीन सेवाओं की तैयारियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एनएच-43 पर आवारा पशुओं के गले में लगाए जाएंगे रेडियम बेल्ट:



राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर आवारा पशुओं के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए निराश्रित पशुओं के गले में रेडियम बेल्ट लगाए जा रहे हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग, नगरीय निकायों, ग्राम पंचायतों एवं पशुधन विकास विभाग के समन्वय से संचालित इस पहल से रात के समय वाहन चालकों को सड़क पर मौजूद पशु दूर से दिखाई दे सकेंगे, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका कम होगी। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को पशुओं एवं नागरिकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

राज्योत्सव में यातायात, पार्किंग और सुरक्षा के होंगे पुख्ता इंतजाम

जिले में राज्योत्सव के आयोजन को सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने के लिए आयोजन स्थल पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, सुचारू यातायात संचालन, पार्किंग प्रबंधन तथा प्रवेश एवं निकास मार्गों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए अग्निशमन वाहन, एंबुलेंस एवं चिकित्सा दलों को तैयार रखने तथा संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

दीपावली पर पटाखा दुकानों की जांच, अग्निशमन व्यवस्था रहेगी मुस्तैद

दीपावली पर्व के दौरान बाजारों में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए यातायात नियंत्रण, पार्किंग तथा आवश्यकता के अनुसार रूट डायवर्जन की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। अस्थायी पटाखा दुकानों का निरीक्षण कर लाइसेंस, अग्निशमन उपकरणों एवं निर्धारित सुरक्षा मानकों की जांच करने के निर्देश दिए गए।

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित सिवनी

पंजीयन क्रमांक 3074

सूचना

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित सिवनी के समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 30.10.2026 को समिति संस्था की वार्षिक साधारण आम सभा का आयोजन समिति कार्यालय समय 12-00 बजे आयोजित है आमसभा की विषय वस्तु समिति कार्यालय एवं बैंक शाखा मरवाही में चश्पा कर दिया गया है ।

आदेशानुसार
समिति प्रबंधक सिवनी पंजीयन क्रमांक 3074

न्यूज इन शॉर्ट

धान बेचने के लिए अब सोसायटियों में लंबी कतारों की जरूरत नहीं, 'तुंहर टोकन' एप से घर बैठे मिलेगा टोकन

रायपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों को धान बेचने के लिए टोकन प्राप्त करने हेतु सोसायटियों में लंबी कतारों में नहीं लगना पड़ेगा। राज्य सरकार द्वारा किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी 'तुंहर टोकन' मोबाइल एप के माध्यम से ऑनलाइन टोकन की व्यवस्था की गई है। किसान अपनी सुविधा के अनुसार एप के माध्यम से घर बैठे धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त कर सकेंगे।द्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा संचालित 'तुंहर टोकन' मोबाइल एप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। इसके माध्यम से किसान 24म7 ऑनलाइन टोकन प्राप्त कर सकते हैं। ऑनलाइन व्यवस्था से किसानों के समय और श्रम की बचत होने के साथ ही धान खरीदी की प्रक्रिया अधिक सुगम और व्यवस्थित होगी।धान विक्रय के लिए किसानों की जोत के अनुसार टोकन की संख्या निर्धारित की गई है। दो एकड़ तक के लघु एवं सीमांत किसानों को एक टोकन मिलेगा। दो एकड़ से अधिक और 10 एकड़ तक के किसानों को अधिकतम दो टोकन तथा 10 एकड़ से अधिक रकबे वाले किसानों को अधिकतम तीन टोकन प्राप्त करने की सुविधा होगी।किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष भी पिछले वर्ष की तरह टोकन में धान की मात्रा दर्ज करने की सुविधा रहेगी। किसान अपनी आवश्यकता और उपलब्धता के अनुसार मात्रा दर्ज कर टोकन प्राप्त कर सकेंगे। यदि किसान किसी टोकन पर अपनी पूरी पात्र मात्रा का धान नहीं बेचता है, तो उसकी शेष पात्रता समाप्त नहीं होगी। वह पात्रतानुसार शेष मात्रा का धान दूसरे अथवा तीसरे टोकन के माध्यम से बेच सकेगा।इस व्यवस्था का उद्देश्य किसानों को धान विक्रय के लिए अधिक सुविधा और विकल्प उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें बार-बार सोसायटियों के चक्कर न लगाने पड़ें और वे अपनी सुविधा के अनुसार टोकन प्राप्त कर सुगमता से धान का विक्रय कर सकें।

15 नवम्बर से शुरू होगी धान खरीदी, 27.50 लाख से अधिक किसानों से ?3100 प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जाएगा धान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवम्बर 2026 से प्रारंभ होगी। राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष 27.50 लाख से अधिक किसानों से ?3100 प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान खरीदा जाएगा। किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी प्रकार की असुविधा न हो और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी एवं सुगम रहे, इसके लिए राज्य सरकार द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं।राज्य सरकार ने किसान हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए एग्रीस्टैक आईडी वाले पिछले वर्ष के सभी पंजीकृत किसानों को धान विक्रय के लिए मान्य किया है। ऐसे किसानों को अलग से पंजीयन कराने की आवश्यकता नहीं होगी। एग्रीस्टैक में पंजीयन होने के कारण किसानों को धान बेचने के लिए समिति में पृथक से ऋण पुस्तिका प्रस्तुत करने की भी आवश्यकता नहीं होगी। डिजिटल क्रॉप सर्वे के माध्यम से धान के रकबे का ऑनलाइन निर्धारण सुनिश्चित किया गया है।किसानों को धान विक्रय के लिए बेहतर और सुगम व्यवस्था उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस वर्ष 360 नए उपार्जन केंद्र प्रारंभ किए जा रहे हैं। इसके साथ ही प्रदेश में कुल 3100 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से धान खरीदी की जाएगी। सभी खरीदी केंद्रों पर किसानों की सुविधा के अनुरूप आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। धान खरीदी के लिए आवश्यकता के अनुसार नए एवं पुराने जूट बारदानों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। वास्तविक किसानों से ही धान खरीदी सुनिश्चित करने के लिए बायोमेट्रिक आधारित व्यवस्था लागू रहेगी। इससे खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।भारत सरकार के खाद्य विभाग द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए छत्तीसगढ़ से केंद्रीय पूल में 73 लाख मीट्रिक टन चावल का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

हमारे वनों की समृद्धि और मातृशक्ति के परिश्रम से तैयार उत्पाद बनें छत्तीसगढ़ की पहचान : मुख्यमंत्री

संवाददाता ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के सिविल लाइन स्थित मुख्यमंत्री निवास में 'छत्तीसगढ़ हर्बल्स' के दिवाली गिफ्ट पैक का लोकार्पण किया। वन धन विकास केंद्रों से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित स्थानीय एवं हर्बल उत्पादों को आकर्षक गिफ्ट पैक के रूप में तैयार किया गया है। इस पहल से जहां छत्तीसगढ़ के गुणवत्तापूर्ण स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार मिलेगा, वहीं लघु वनोपज संग्राहकों और महिला स्व-सहायता समूहों की आजीविका को भी मजबूती मिलेगी।



मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध वन संपदा हमारे लाखों वनवासी परिवारों की आजीविका का महत्वपूर्ण आधार है। हमारी सरकार का प्रयास है कि वनों से प्राप्त उपज का अधिक से अधिक मूल्य संवर्धन प्रदेश में ही हो और इसका सीधा आर्थिक लाभ वन उपज संग्राहकों तथा इससे जुड़े महिला समूहों तक पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वन धन विकास केंद्रों के माध्यम से हमारी माताएं-बहनें स्थानीय वनोपज को प्रसंस्कृत कर गुणवत्तापूर्ण उत्पाद तैयार कर रही हैं। इन उत्पादों को बेहतर पैकेजिंग, ब्रांडिंग और बाजार से जोड़कर हम उनके परिश्रम को नई पहचान और आय के बेहतर अवसर दे रहे हैं। 'छत्तीसगढ़ हर्बल्स' के दिवाली गिफ्ट पैक इसी दिशा में एक सार्थक पहल हैं।

उन्होंने प्रदेशवासियों से स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने का आह्वान करते हुए कहा कि जब हम छत्तीसगढ़ में बने उत्पादों को खरीदते और उपहार में देते हैं, तो उसका लाभ सीधे हमारे वनांचल के परिवारों और महिला स्व-सहायता समूहों तक पहुंचता है। स्थानीय उत्पादों को अपनाना हमारी परंपराओं, स्थानीय उद्यमिता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने में हमारी सहभागिता है।उल्लेखनीय है कि 'छत्तीसगढ़ हर्बल्स' के दिवाली गिफ्ट पैक दो श्रेणियों–प्रीमियम और सामान्य–में तैयार किए गए हैं। प्रीमियम गिफ्ट पैक में नौ प्रकार के चयनित उत्पाद शामिल हैं। वहीं सामान्य गिफ्ट पैक में पांच प्रकार के उत्पाद रखे गए हैं।आम नागरिक इन गिफ्ट पैक को छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ द्वारा संचालित 'संजीवनी' विक्रय केंद्रों से खरीद सकेंगे। इससे दिवाली पर उपहार देने की परंपरा को जनजातीय आजीविका से जोड़ने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आज सिविल लाइन स्थित मुख्यमंत्री निवास में मंत्री परिषद की बैठक



संवाददाता ➤ रायपुर

मंत्रिपरिषद ने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में छत्तीसगढ़ प्रदेश के किसानों से दिनांक 15 नवम्बर 2026 से धान खरीदी करने का निर्णय लिया है। उक्त अवधि में 27.50 लाख से अधिक किसानों से 3100 रूपये प्रति क्विंटल की दर से अधिकतम 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान की खरीदी की जावेगी। किसान हित में बड़ा फैसला लेते हुए एग्रीस्टेक आईडी युक्त विगत वर्ष के पंजीकृत सभी कृषकों को धान विक्रय हेतु मान्य किया है, इन किसानों को पृथक से पंजीयन की कोई आवश्यकता नहीं होगी।

एग्रीस्टेक में पंजीयन होने के कारण किसानों को धान विक्रय हेतु पृथक से ऋण पुस्तिका समिति में लाने की आवश्यकता नहीं होगी। डिजिटल क्राप सर्वे के माध्यम धान के रकबे का ऑनलाईन निर्धारण डिजिटल रूप से सुनिश्चित हुआ है। वास्तविक किसानों से धान खरीदी सुनिश्चित करने हेतु बायोमैट्रिक आधारित धान की खरीदी की जावेगी। किसानों को बेहतर एवं सुगम व्यवस्था प्रदान किये जाने हेतु 360 नये उपार्जन केन्द्र प्रारंभ किये जा रहे हैं, फलस्वरूप इस वर्ष 3100 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से धान खरीदी सुश्चित की जायेगी। धान खरीदी हेतु समितियों में समुचित व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिये गये है।

मंत्रिपरिषद ने खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 एवं वर्ष 2025-26 में अतिशेष धान की धान की नीलामी के माध्यम से निराकरण करने के संबंध में मंत्रिमण्डलीय उपसमिति की बैठक के निर्णय का अनुसमर्थन किया है।

2. मंत्रिपरिषद ने मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जन अभियान (एम-ऊर्जा) योजना के अंतर्गत घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक बिजली बिल में दी जा रही रियायत को पूर्ववत जारी रखने का निर्णय लिया है। साथ ही, योजना का लाभ लेने के लिए 400 यूनिट तक मासिक विद्युत खपत की पात्रता अवधि को 30 सितंबर 2026 से बढ़ाकर 31 मार्च 2027 तक कर दिया गया है। इस निर्णय से लगभग 7.25 लाख घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को योजना के तहत बिजली बिल में मिल रही रियायत का लाभ निरंतर प्राप्त होता रहेगा।

3. छत्तीसगढ़ मंत्रिपरिषद् ने बिटुमिन की कीमतों में हुई असाधारण वृद्धि को देखते हुए छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण के अंतर्गत संचालित तथा लोक निर्माण विभाग अंतर्गत राज्य वित्त पोषित सड़क निर्माण, नवीनीकरण एवं संधारण कार्यों के अनुबंधकों को मूल्य राहत प्रदान करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

रकच्चे मकान की मुश्किलों से मिली मुक्ति : पक्के घर में संवर रही खोरबाहरीन बाई की जिंदगी

कच्चे मकान की मुश्किलों से मिली मुक्ति पक्के घर में संवर रही खोरबाहरीन बाई की जिंदगी

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से साकार हुआ वर्षों पुराना सपना,परिवार को मिला सुरक्षित आशियाना और सम्मानजनक जीवन का आधार

संवाददाता ➤ रायपुर

कभी कच्चे मकान में मौसम की मार और असुरक्षा के बीच जीवन गुजारने वाली धमतरी जिले के ग्राम गंगरेल की श्रीमती खोरबाहरीन बाई आज अपने पक्के घर में परिवार के साथ सुकून से रह रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने उनके वर्षों पुराने सपने को साकार कर जीवन में नई उम्मीद जगाई है। धमतरी विकासखंड की ग्राम पंचायत गंगरेल निवासी श्रीमती खोरबाहरीन बाई का जीवन अनेक चुनौतियों से गुजरा है। उनके पति श्री फूलचंद ध्रुव कई वर्ष पहले घर से चले गए थे, जिनके बारे में आज तक कोई जानकारी नहीं मिल सकी। इसके बाद परिवार की जिम्मेदारियां उनके कंधों पर आ गईं। वर्तमान में वे अपने पुत्र और दो नातियों के साथ रहती हैं।



सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण पक्का मकान बनवाना उनके लिए संभव नहीं था। कच्चे घर में बरसात के दौरान नमी और बारिश से परेशानी होती थी। मकान की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी रहती थी। ऐसे में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) उनके लिए सहारा बनी। योजना के अंतर्गत आवास स्वीकृत होने और निर्माण पूर्ण होने से परिवार को अपना पक्का घर मिल गया।

नए आवास ने परिवार के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। अब मौसमी परेशानियों की चिंता कम हुई है और बच्चों को सुरक्षित वातावरण मिला है। स्थायी आशियाना मिलने से परिवार अधिक निश्चिंत होकर जीवन व्यतीत कर रहा है।

अवैध खनिज परिवहन पर खनिज विभाग की कार्रवाई, 5 वाहन जब्त

सारसीवां और भटगांव क्षेत्र में औचक निरीक्षण के दौरान पकड़े गए वाहन



संवाददाता ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ

कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर अंकुश लगाने खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मंगलवार को सारसीवां और भटगांव तहसील क्षेत्र में औचक निरीक्षण कर अवैध खनिज परिवहन करते हुए 5 वाहनों पर कार्रवाई की गई।

निरीक्षण के दौरान सारसीवां क्षेत्र में साधारण रेत का अवैध परिवहन करते दो ट्रैक्टर पकड़े गए। वहीं भटगांव क्षेत्र में चूनापत्थर का अवैध परिवहन करते दो हाइवा तथा साधारण रेत का परिवहन करते एक ट्रैक्टर पर कार्रवाई की गई। संबंधित वाहनों को थाना सारसीवां एवं थाना भटगांव की अभिरक्षा में रखा गया है।



खनिज विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 एवं खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 के तहत कार्रवाई की जा रही है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

छत्तीसगढ की 14 रियासतों का गौरवशाली इतिहास अब एक छत के नीचे सहेजने की योजना

'रियासत वीथिका' में राजसी परंपराओं, दुर्लभ धरोहरों और ऐतिहासिक विरासत से रूबरू होगी नई पीढ़ी

राज परिवारों के सहयोग से सहेजी जाएगी प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन को मिलेगा नया आकर्षण

संवाददाता ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ की गौरवशाली ऐतिहासिक विरासत, राजसी परंपराओं और समृद्ध संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। राज्य की 14 पूर्ववर्ती देसी रियासतों के इतिहास और उनसे जुड़ी दुर्लभ धरोहरों को एक ही स्थान पर प्रदर्शित करने के लिए आज रायपुर के उद्योग भवन स्थित पर्यटन मंडल के सभाकक्ष में रियासतों के वंशजों के साथ 'रियासत वीथिका' स्थापित करने पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से कार्ययोजना की जानकारी देने के साथ राज परिवारों के वंशजों से सुझाव लिए गए। इस अनूठी पहल से प्रदेश की ऐतिहासिक पहचान को नई मजबूती मिलने



के साथ ही विद्यार्थियों, शोधार्थियों और पर्यटकों को छत्तीसगढ़ के राजसी इतिहास और सांस्कृतिक वैभव को करीब से जानने का अवसर मिलेगा।

छत्तीसगढ़ की 14 रियासतों का गौरवशाली इतिहास अब एक छत के नीचे सहेजने की योजना

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा ने कहा कि प्रदेश का इतिहास पर्यटन, संस्कृति, धर्मस्व और पुरातात्विक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध रहा है। यहां की रियासतों ने छत्तीसगढ़ को देश में विशिष्ट पहचान दिलाई है। राज्य सरकार ऐतिहासिक महलों को हेरिटेज पर्यटन और होमस्टे के रूप में विकसित करने की दिशा में भी गंभीरता से कार्य कर रही है। इससे ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के साथ पर्यटन की नई संभावनाएं विकसित होंगी।जसी वैभव और ऐतिहासिक धरोहरों का जीवंत दस्तावेज बनेगी 'रियासत वीथिका'प्रस्तावित रियासत वीथिका में विभिन्न रियासतों की राजदरबारी परंपराओं, राजचिह्नों, पारंपरिक वेशभूषा, वाजों को प्रदर्शित करने की योजना है।

रायपुर = तसर पालन से बढ़ेंगे ग्रामीणों की आमदनी के अवसर

बीजापुर में 13 हितग्राहियों को स्वस्थ डिम्ब समूह वितरण के साथ मिली आर्थिक सहायता

संवाददाता ➤ रायपुर

वनांचल क्षेत्रों में तसर रेशम (कोसा) पालन ग्रामीण परिवारों की आजीविका और स्वरोजगार का एक प्रमुख जरिया बनता जा रहा है। इस व्यवसाय से आदिवासियों और ग्रामीण महिलाओं को गांव में ही रोजगार मिल रहा है, जिससे उन्हें रोजगार के लिए भटकना नहीं पड़ता। बीजापुर जिले में तसर रेशम पालन से जुड़े ग्रामीण परिवारों की आमदनी बढ़ाने के लिए रेशम विभाग द्वारा आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इसी कड़ी में ग्राम कोत्तापल्ली के 13 तसर पालकों को स्वस्थ डिम्ब समूह वितरण योजना के तहत 3,700 स्वस्थ डिम्ब समूह



उपलब्ध कराए गए हैं। इनकी कुल कीमत 59 हजार 200 रुपए है, जिसमें शासन ने 51 हजार 800 रुपए की सब्सिडी दी है। इससे तसर पालकों को कम लागत में गुणवत्तापूर्ण कोसा उत्पादन कर अतिरिक्त आय अर्जित करने का अवसर मिलेगा।ग्राम कोत्तापल्ली स्थित शासकीय कोसा बीज केंद्र से जुड़े तसर पालकों को केंद्रीय रेशम बोर्ड की इकाई बीएसएमटीसी, बस्तर से प्राप्त पालित प्रजाति के स्वस्थ डिम्ब समूह वितरित किए गए हैं। शासन की ओर से अधिकांश लागत वहन किए जाने के कारण हितग्राहियों को कुल 7 हजार 400 रुपए का ही अंशदान करना पड़ा। इस सहायता से तसर रने में भी मदद मिलेगी।

कर्ण शर्मा ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लिया



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

8 साल के लेग स्पिनर कर्ण शर्मा ने इंटरनेशनल और घरेलू क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर दिया। उन्होंने भारत के लिए 1 टेस्ट, 2 वनडे और 1 टी-20 मैच खेला।कर्ण ने यूपी टी-20 लीग में कानपुर सुपरस्टार्स की ओर से खेलने के बाद यह फैसला लिया। वह 25 अगस्त को लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में मेरठ मेवरिक्स के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेलेंगे।खिलाफ एडिलेड में अपना इकलौता टेस्ट खेला। इस मैच की दोनों पारियों में उन्होंने 2-2 विकेट लिए। इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में उन्होंने एकमात्र टी-20 इंटरनेशनल खेला और जो रूट को आउट किया। 2104 में ही श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने दोनों वनडे खेले।इसके बाद कर्ण को 2015 में जिम्बाब्वे दौरे के लिए भी चुना गया था, लेकिन चोट के कारण वह टीम से बाहर हो गए। इसके बाद उन्हें दोबारा भारत के लिए खेलने का मौका नहीं मिला।

घरेलू क्रिकेट में करीब 20 साल का करियर

कर्ण ने 2007-08 सीजन में फर्स्ट क्लास, लिस्ट़ और टी-20 क्रिकेट में डेब्यू किया था। अपने पहले रणजी ट्रॉफी मैच में ही उन्होंने शतक लगाया। 2012-13 सीजन में तीन रणजी मैचों में 21 विकेट लेने के बाद उन्हें 1 बेस्ट अंडर-25 क्रिकेटर अवॉर्ड मिला।उन्होंने घरेलू क्रिकेट में रेलवे, आंध्र और विदर्भ को रिप्रेजेंट किया। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कर्ण ने 97 मैचों में 270 विकेट लिए। लिस्ट़ के 123 मैचों में 153 विकेट और 191 टी-20 मैचों में 168 विकेट उनके नाम हैं।

बल्लेबाज की सोच पढ़कर विकेट निकालते हैं नमन धीर



भारत के बैटिंग ऑलराउंडर नमन धीर ने गेंद से अपनी अलग पहचान बनानी शुरू कर दी है। उनकी खासियत सिर्फ ऑफ स्पिन नहीं, बल्कि बल्लेबाज की सोच को पढ़कर उसके खिलाफ योजना बनाना है।

गंभीर-गिल ने रिजर्व खिलाड़ियों को रिलीज नहीं किया



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

रेवस्पोर्ट्स की रिपोर्ट के मुताबिक, टीम मैनेजमेंट ने यह फैसला कन्कशन या किसी खिलाड़ी के चोटिल होने की स्थिति में बैकअप तैयार रखने के लिए लिया है। पहले टेस्ट में मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को तेज गेंदबाजों के तौर पर प्लेइंग इलेवन में जगह मिली थी। गुरनूर और आकिब को मौका नहीं मिला था।दूसरे टेस्ट में भी सिराज और प्रसिद्ध के खेलने की संभावना है, लेकिन किसी आपात स्थिति में टीम के पास तुरंत उपलब्ध गेंदबाज रहें, इसलिए दोनों रिजर्व खिलाड़ियों को श्रीलंका में ही रखा गया है।

दलीप ट्रॉफी का नया सीजन भी रविवार से शुरू हो रहा है। ऐसे में गुरनूर और आकिब के लिए घरेलू टूर्नामेंट में खेलने का मौका था, लेकिन भारतीय टीम के साथ रुकने के कारण वे नॉर्थ जोन के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

सौरव गांगुली दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच बने

अगले आईपीएल सीजन में टीम की जिम्मेदारी संभालेंगे, बतौर डायरेक्टर काम कर चुके

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली को दिल्ली कैपिटल्स का हेड कोच नियुक्त किया गया है। वे IPL के अगले सीजन में टीम की जिम्मेदारी संभालेंगे।गांगुली इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के साथ डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट के तौर पर काम कर चुके हैं।



उन्होंने 2025 में प्रिटोरिया कैपिटल्स के हेड कोच के रूप में अपना पहला कोचिंग रोल संभाला था।गांगुली ने IPL में 59 मैचों में 1,349 रन बनाए। उनका बेस्ट स्कोर 91 रन रहा और उन्होंने 7 अर्धशतक लगाए। उन्होंने IPL में कोलकाता नाइट राइडर्स और पुणे वॉरियर्स इंडिया की कप्तानी भी की। गांगुली का IPL डेब्यू 2008 मेंचक्र के लिए हुआ था। उन्होंने आखिरी मैच 2012 में पुणे वॉरियर्स के लिए खेला। बतौर गेंदबाज उनके नाम 10 विकेट भी हैं।दिल्ली कैपिटल्स को अब भी अपनी पहली ट्रॉफी का इंतजार है। दिल्ली 2020 में पहली बार फाइनल में पहुंची थी, लेकिन मुंबई इंडियंस के हाथों हार गई थी।

गांगुली ने 1992 में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे डेब्यू किया और 1996 में इंग्लैंड के लॉर्ड्स मैदान पर टेस्ट डेब्यू करते हुए 131 रन की शानदार पारी खेली।

अपने इंटरनेशनल करियर में 113 टेस्ट मैचों में 7,212 रन और 311 वनडे में 11,363 रन बनाए। उन्होंने टेस्ट में 16 और वनडे में 22 शतक जड़े।वे साल 2000 में भारत के कप्तान बने। गांगुली की कप्तानी में भारत ने विदेशों में कई ऐतिहासिक टेस्ट मैच जीते और 2003 वर्ल्ड कप फाइनल तक का सफर तय किया।2002 में भारत को चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचाया। फिर श्रीलंकाई कप्तान सनथ जयसूर्या के साथ ट्रॉफी साझा की। इसी साल लॉर्ड्स में नेटवेस्ट ट्रॉफी जीती। 2008 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था।गांगुली क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष हैं। 2019 में BCCI के अध्यक्ष बने थे। उन्हें 2022 में पद से इस्तीफा देना पड़ा। उनकी जगह 1983 वर्ल्ड कप बिन्नी को नया चेयरमैन बनाया गया।

व्यापार

टॉप-10 में 4 कंपनियों का मार्केट-कैप 87,960 करोड़ घटा

एयरटेल टॉप लूजर, वैल्यू 28,052 करोड़ घटी; LIC की वैल्यू बढ़ी

एजेंसी ➤ मुंबई

बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में गिरावट रही। इस बीच देश की 10 सबसे वैल्यूएबल कंपनियों में से 4 का मार्केट कैप कुल मिलाकर 87,960 करोड़ घटा है।

इस दौरान टेलीकॉम सेक्टर की प्रमुख कंपनी भारती एयरटेल की मार्केट वैल्यूएशन में सबसे बड़ी 28,052.96 करोड़ की गिरावट देखने को मिली। इसकी वैल्यूएशन घटकर 12.15 लाख करोड़ रह गई है।

एयरटेल के अलावा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप भी घटा है। वहीं 6 कंपनियों- स्ह्वष्ट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस,बैंक और बैंक की मार्केट वैल्यू बढ़ी है।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स 468.42 अंक (0.60त्न) और ह्रस्श्व निफ्टी 114 अंक (0.46त्न) नीचे गिरकर बंद हुआ।



मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है?

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, उनकी वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की कुल संख्या को उनकी कीमत से गुणा करके किया जाता है।

इसे एक उदाहरण से समझें...

मान लीजिए... कंपनी के 1 करोड़ शेयर मार्केट में लोगों ने खरीद रखे हैं। अगर एक शेयर की कीमत 20 रुपए है, तो कंपनी की मार्केट वैल्यू 1 करोड़ × 20 यानी 20 करोड़ रुपए होगी।

कंपनियों की मार्केट वैल्यू शेयर की कीमतों के बढ़ने या घटने के चलते बढ़ता-घटता है।

मार्केट कैप के उतार-चढ़ाव का कंपनी और निवेशकों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

कंपनी पर असर ः बड़ा मार्केट कैप कंपनी को मार्केट से फंड जुटाने, लोन लेने या अन्य कंपनी एक्वायर करने में मदद करता है। वहीं, छोटे या कम मार्केट कैप से कंपनी की फाइनेंशियल डिसीजन लेने की क्षमता कम हो जाती है।

निवेशकों पर असर ः मार्केट कैप बढ़ने से निवेशकों को डायरेक्ट फायदा होता है। क्योंकि उनके शेयरों की कीमत बढ़ जाती है। वहीं, गिरावट से नुकसान हो सकता है,

क्या ट्रम्प अपने फैसलों से शेयर-बाजार में करोड़ों कमा रहे

जून में किए 1 हजार से ज्यादा स्टॉक ट्रेड्स; व्हाइट हाउस बोला- कंप्यूटर संभाल रहा पोर्टफोलियो

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

राष्ट्रपति के एक बयान या फैसले से शेयर बाजार तुरंत ऊपर-नीचे हो जाता है, ऐसे में उनके खातों से करोड़ों की ट्रेडिंग सामने आने के बाद यह सवाल गहरा गया है कि क्या ट्रम्प अपने राष्ट्रपति पद और फैसलों का फायदा शेयर बाजार से पैसा कमाने के लिए उठा रहे हैं?

ट्रम्प के पोर्टफोलियो से जुड़ी इस बड़ी खबर के हर पहलू को 9 आसान सवाल-जवाब में जानें

सवाल 1. रिपोर्ट में ट्रम्प के ट्रेड्स को लेकर मुख्य रूप से क्या जानकारी सामने आई है?

जवाबः शनिवार 22 अगस्त को जारी रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रम्प ने जून 2026 में



1,000 से ज्यादा सिक्योरिटीज ट्रेड्स किए हैं। इन सभी ट्रांजैक्शन की कुल वैल्यू 78.1 मिलियन डॉलर से 263.1 मिलियन डॉलर यानी करीब 7000 करोड़ से 2,500 करोड़ के बीच रही है। जवाबः अमेरिकी नियमों के तहत राष्ट्रपति और शीर्ष अधिकारियों को अपने वित्तीय सौदों की सटीक रकम बताने की जरूरत नहीं होती। नियम के मुताबिक ट्रांजैक्शन के लिए एक दायरा तय किया जाता है। इसलिए रिपोर्ट में न्यूनतम और अधिकतम रेंज दी गई है।

जवाबः जून में सबसे बड़ी डील 22 जून को हुई। इस दिन ट्रम्प ने वैनगार्ड ग्रुप के एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड के 5 मिलियन डॉलर से 25 मिलियन डॉलर यानी करीब ?48 करोड़ से ?240 करोड़ के शेयर्स बेचे।

बर्कशायर है वेः 18 जून को 1 मिलियन से 5 मिलियन यानी 10 से 48 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे और 24 जून को कुछ हिस्सा बेचा।

मेटाः 18 जून को 1 मिलियन से 5 मिलियन यानी करीब 10 से 48 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, फिर महीने के अंत में छोटे अमाउंट में शेयर्स खरीदे। प्लांटिरः 3 जून को 1,001 से 15,000 के शेयर खरीदे। 16 और 18 जून को शेयर बेचे, फिर 23 और 24 जून को दोबारा खरीदारी की। अन्य कंपनियांः वीजा, मास्टरकार्ड, सिंटास, कॉइनबेस और होम डिपो।

सवाल 5. क्या इन ट्रेड्स का अमेरिका की जियोपॉलिटिकल घटनाओं से कोई कनेक्शन दिखा?

पीएम को स्पेस स्टार्टअप्स के फाउंडर्स ने बताए प्लान, स्काईरूट हर महीने रॉकेट लॉन्च करेगी

स्पेस में सैटेलाइट री-फ्यूलिंग, दवाइयां बनाने की तैयारी

एजेंसी ➤ मुंबई

अंतरिक्ष में सैटेलाइट रीफ्यूलिंग, कचरा हटाने वाले रोबोट और हवा में तैरती दवाइयां। भारत का स्पेस सेक्टर अब फिल्मों में दिखने वाली टेक्नोलॉजी सच करने पर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के 20 स्पेस स्टार्टअप्स फाउंडर्स से खास बातचीत की।

पीएम ने भरोसा दिलाया कि सरकार उद्यमियों का हाथ कभी नहीं छोड़ेगी। रिस्क लेने वालों को पूरा सपोर्ट मिलेगा। ये बातचीत 21 अगस्त को की गई थी, लेकिन वीडियो आज 23 अगस्त को रिलीज किया गया है। पढ़िए इस बातचीत की खास बातेंज

देश के 20 स्पेस स्टार्टअप्स के फाउंडर्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने प्लान्स बताए। मुलाकात के दौरान पीएम ने स्टार्टअप्स के प्रोजेक्ट्स के बारे में जानकारी ली।

स्काईरूट का हर महीने रॉकेट लॉन्च करने का लक्ष्य

स्काईरूट ने पीएम मोदी को बताया कि 18 जुलाई को भारत के पहले प्राइवेट रॉकेट से सैटेलाइट्स को कामयाबी के साथ ऑर्बिट में स्थापित किया था। कंपनी ने अब तक 3 फैक्ट्रियां तैयार कर ली हैं, जिनमें हर महीने एक रॉकेट बनाने की क्षमता है।

कंपनी की योजना हर महीने एक रॉकेट लॉन्च करने की है। इसके बाद का लक्ष्य हर हफ्ते एक और भविष्य में हर दिन कई रॉकेट लॉन्च करने का है।

हैदराबाद की स्काईरूट एयरोस्पेस ने शनिवार 18 जुलाई को भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च किया था। इस कामयाब लॉन्च के बाद पीएम मोदी ने स्टार्टअप फाउंडर से फोन पर बात की थी।

फ्यूल स्टेशन, सफाई रोबोट और दवा बनाने वाली सैटेलाइट्स

स्पेस पेट्रोल पंपः एक कंपनी डॉकिंग और रीफ्यूलिंग तकनीक विकसित कर रही है, जो अंतरिक्ष में ही सैटेलाइट्स में ईंधन भरने का काम करेगी।कचरा हटानाः एक रोबोटिक स्पेसक्राफ्ट पर काम चल रहा है, जो स्पेस में तैरते बेकार और डेड सैटेलाइट्स को पकड़कर ऑर्बिट से बाहर निकालेगा।

स्पेस पेट्रोल पंप और स्पेस फार्मा को जानें

जैसे सड़क पर गाड़ी का पेट्रोल खत्म होने पर हम पंप पर जाते हैं, वैसे ही अंतरिक्ष में सैटेलाइट्स का ईंधन खत्म हो जाता है। एक भारतीय कंपनी ऐसी तकनीक बना रही है, जो हवा में ही उड़ती हुई सैटेलाइट्स से जुड़कर उनमें दोबारा पेट्रोल-डीजल की तरह ईंधन भर देगी।

वहीं जब धरती पर कोई दवा बनाई जाती है, तो गुरुत्वाकर्षण के खिंचाव के कारण उसके केमिकल्स और प्रोटीन ठीक से मिक्स नहीं हो पाते या नीचे बैठने लगते हैं।

सरकार बोली- चीनी जमाखोरी से महंगी हुई, इथेनॉल कारण नहीं

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

सरकार ने उन दावों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि चीनी से एथेनॉल बनाने की वजह से बाजार में इसके दाम बढ़े हैं।खाद्य और उपभोक्ता मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि कम उत्पादन, त्योहारी सीजन की मांग और जमाखोरी की वजह से कीमतें बढ़ी हैं।चीनी के बढ़ते दाम को रोकने के लिए स्टॉक लिमिट और ड्यूटी फ्री इंपोर्ट जैसे कदम उठाए गए हैं।

एथेनॉल के लिए चीनी का इस्तेमाल घटा

मंत्रालय ने कहा कि चीनी की बढ़ती कीमतों को एथेनॉल बनाने में इसके इस्तेमाल से जोड़ना पूरी तरह गलत है।पेट्रोल में मिलाने के लिए चीनी से एथेनॉल बनाने का हिस्सा 2022-23 सीजन के 12त्न से घटकर 2025-26 सीजन में करीब 9त्न रह गया है।मौजूदा समय में देश के कुल एथेनॉल उत्पादन का लगभग 75त्न हिस्सा अनाज, खासकर मक्के से आ रहा है।

मिलों और किसानों को कैसे हुआ फायदा?

भारत में हर साल करीब 32-34 मिलियन टन चीनी बनती है और इसकी खबत 28-29



मिलियन टन है। पहले यह एक्स्ट्रा चीनी मिलों में फंसी रहती थी, जिससे उनके पैसे ब्लॉक हो जाते थे और वे गन्ना किसानों का भुगतान नहीं कर पाते थे।अब सरकार इस एक्स्ट्रा चीनी और गन्ने का इस्तेमाल पेट्रोल में मिलाने वाले इथेनॉल को बनाने में कर रही है। इससे मिलों के पास पैसा आया और किसानों को समय पर भुगतान मिलने लगा। 20 अगस्त 2026 तक इस सीजन का 97त्न बकाया किसानों को चुकाया जा चुका है।सरकार की बची भारी सब्सिडी

मिलों की कमाई बढ़ने से अब उन्हें सरकार से मदद की जरूरत नहीं पड़ती। यही वजह है कि सरकार ने 2014 से 2021 के बीच मिलों को 14,600 करोड़ रुपए की सब्सिडी दी थी, लेकिन साल 2021-22 के बाद से सरकार को 1 रुपए की भी नई सब्सिडी देने की जरूरत नहीं पड़ी है।



कॉकरोचों के साथ सहीं ट्रिटमेंट

देश की राजधानी दिल्ली में ऐसे दृश्य हमने युद्धों के दौरान भी नहीं देखे। 1984 के सिख-विरोधी दंगे बेहद भयावह और जानलेवा थे। वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान भी तालाबंदी थी, लेकिन नागरिक अधिकार तब भी जिंदा थे। 10 अक्तूबर, 2026 को इतिहास में एक काली, डरावनी, दमनकारी तारीख के तौर पर दर्ज किया जाएगा। पुलिस ने सडक़ों पर कीलें गाड़ दी थीं, ताकि कोई गाड़ी उन रास्तों से गुजरे, तो टायर में पंक्चर हो जाए। यह कैसा लोकतंत्र है? 7000 से अधिक युवाओं और कुछ नेताओं-सांसदों को हिरासत में लिया गया। रात होने लगी, तो उन्हें छोड़ भी दिया गया। राजधानी दिल्ली की चौतरफा किलेबंदी की गई, सीमाएं लगभग सील कर दी गईं, ड्रोन उड़ते देखे गए मानो किसी बाहरी आक्रमण या आतंकी हमले की आशंका हो! मानो कोई विदेशी आक्रांता हमारे देश को लूटने आ रहा हो! मेट्रो ट्रेन के 45 स्टेशन बंद किए गए। न प्रवेश, न ही निकास और न ही इंटरचेंजज! करीब 62 लाख लोग हररोज मेट्रो के जरिए इधर से उधर जाते हैं। कल्पना करें, कितने लोगों के पांव बांध दिए गए होंगे! करीब 250 ट्रेन रद्द कर दी गईं, जो दिल्ली से अन्य राज्यों को जाती थीं और वहां से दिल्ली की ओर आती थीं। लाखों भारतीय 'बंधक' बनकर रह गए होंगे! बताया जाता है कि करीब 2 लाख रेल-यात्री प्रभावित हुए हैं। करीब 38,000 जवान, अर्द्धसैन्य बल और अन्य बलों के जवान दिल्ली में चारों तरफ तैनात कर दिए गए। नतीजतन 'जंतर-मंतर' तक कोई नहीं पहुंच पाया, लेकिन कनॉट प्लेस की गलियों में युवा नारेबाजी करते रहे। पुलिस से कई जगह टकराव भी हुए, लेकिन उन्होंने साबित कर दिया कि वे भी देश की ताकत हैं। अहम सवाल है कि क्या कॉकरोचों से इतने खतरे या उपद्रवों की आशंकाएं थी? क्या खुफिया एजेंसियों ने भी ऐसी रपटें दी थीं कि कॉकरोच राजधानी में उत्पात मचा सकते हैं और काट कर जहर फैला सकते हैं? सर्वोच्च अदालत की प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली न्यायिक पीठ ने कहा था कि मक्खी को मारने के लिए हथौड़ा न चलाएं।मेट्रो, ट्रेनें, सडक़ें, परिवहन आदि के कारण आम नागरिक को परेशानी नहीं होनी चाहिए। सरकार धरने-प्रदर्शन की वैकल्पिक जगह तय कर सकती है। चूंकि सरकार और पुलिस ने सर्वोच्च अदालत की टिप्पणियों को हल्के में लिया, लिहाजा अब 'अदालत की अवमानना' के तहत केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन को अदालत में तलब किया गया है। अदालत कठोर कार्रवाई करे, ताकि एक व्यापक संदेश जा सके। बहरहाल त्योहारों का मौसम शुरू हो चुका है। इस दौरान औसतन 3-4 लाख लोग हररोज दिल्ली के बाजारों में आते हैं। करीब 5 लाख व्यापारी काम करते हैं। मेट्रो और ट्रेनें बंद कर दी गईं, तो खरीददार दिल्ली तक कैसे आएंगे? पेट्रोल पंपों तक पर भीड़ बहुत कम देखी गई। होटल, रेस्तरां, सिनेमा की बुकिंग रद्द कर दी गईं। व्यापार संगठनों का अनुमान है कि करीब 2000 करोड़ रुपए का नुकसान एक ही दिन में हुआ है! यह कैसी जन-व्यवस्था, कानून-व्यवस्था, आंतरिक सुरक्षा है कि नागरिक ही पिस रहा है? यह धारणा मोदी सरकार के खिलाफ भी जा सकती है।

(एक नजर)

मई में बनेंगे 6 बड़े राजयोग

कुछ दिनों बाद मई का महीना शुरू होने वाला है. वैदिक ज्योतिष के अनुसार, मई 2026 का महीना ग्रहों की चाल के कारण बेहद खास रहने वाला है। इस दौरान कई बड़े ग्रह अपनी स्थिति बदलेंगे और एक साथ कई शुभ राजयोग बनाएंगे। इन योगों का असर सभी 12 राशियों के लोगों के जीवन, खासकर आर्थिक स्थिति और करियर पर देखने को मिलेगा। ज्योतिषियों के मुताबिक, इस महीने रुचक, बुधादित्य, गजकेसरी, मालव्य, भद्र और लक्ष्मी नारायण जैसे प्रभावशाली राजयोग बन रहे हैं, जो कई लोगों के लिए नए अवसर और लाभ लेकर आ सकते हैं।- 11 मई को मंगल अपनी ही राशि मेष में प्रवेश करेंगे, जिससे रुचक राजयोग बनेगा।- सूर्य और बुध की युति से बुधादित्य राजयोग बनेगा।- चंद्रमा और गुरु के मिलन से गजकेसरी राजयोग का निर्माण होगा।- 14 मई तक मालव्य राजयोग प्रभावी रहेगा।- 29 मई को बुध अपनी ही राशि में आकर भद्र राजयोग बनाएंगे।- इसी दिन बुध और शुक्र की युति से लक्ष्मी नारायण राजयोग भी बनेगा।

इन सभी योगों के साथ सूर्य, मंगल, शुक्र और बुध के गोचर भी इस महीने को और खास बना रहे हैं।मेष राशि वालों के लिए यह महीना आर्थिक रूप से अच्छा रह सकता है। करियर और बिजनेस में तेजी आएगी।

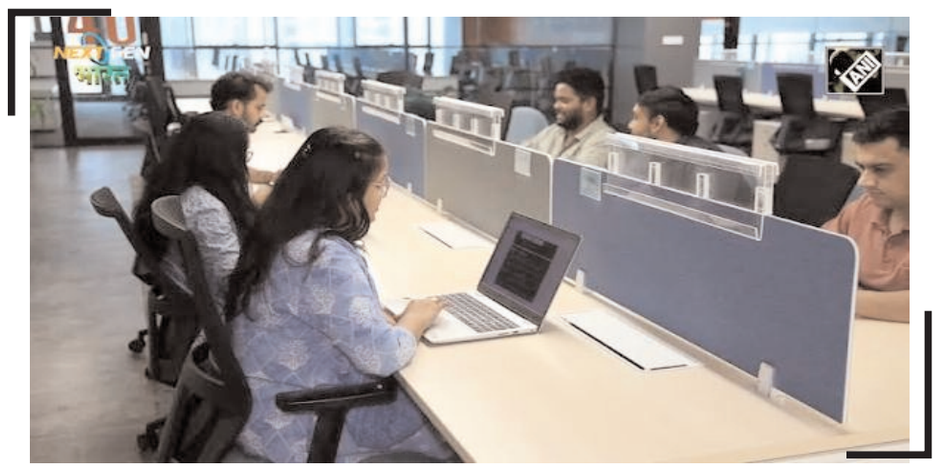
विचार

अब टेक्सटाइल का हब बनता भारत

डा. जयंती लाल भंडारी

लेखक

इन दिनों टेक्सटाइल सेक्टर से संबंधित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में यह रेखांकित किया जा रहा है कि भारत दुनिया के प्रमुख देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) और सरकार के द्वारा टेक्सटाइल क्षेत्र को दिए जा रहे बहुआयामी प्रोत्साहनों के दम पर टेक्सटाइल का नया ग्लोबल हब बनने की राह पर अत्यंत तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। यह उल्लेखनीय है कि इसी वर्ष जुलाई माह में नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारत टेक्स 2026 ने न केवल वैश्विक टेक्सटाइल जगत में भारत के लिए एक स्वर्णिम इतिहास रचा है, बल्कि संपूर्ण विश्व को यह स्पष्ट और सशक्त संदेश भी दे दिया है कि भारत अब वैश्विक वस्त्र आपूर्ति श्रृंखला का एक विश्वसनीय, अनिवार्य और प्रमुख ग्लोबल हब बनने की दिशा में अग्रसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी '5-एफ' दृष्टिकोण- फार्म (खेत), फाइबर (रेशा), फैक्टरी (कारखाना), फैशन और फॉरेन (विदेश) - को पूरी तरह जीवंत करने वाला यह आयोजन दुनिया का सबसे बड़ा एकीकृत टेक्सटाइल मेला बनकर उभरा है। निःसंदेह, इस वर्ष 2026 में देश का टेक्सटाइल सेक्टर लगभग 190 अरब अमरीकी डॉलर के बड़े आकार तक पहुंच चुका है, जिसका मुख्य राष्ट्रीय लक्ष्य विजन-2030 के तहत इसे बढ़ाकर 350 अरब डॉलर तक ले जाना है। इस अत्यंत महत्वपूर्ण लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में सरकार की नई टेक्सटाइल रणनीति और दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ संपन्न हो रहे मुक्त व्यापार समझौते अत्यंत प्रभावी और निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। भारत सरकार ने बेहद सुनियोजित रणनीति



के तहत इन एफटीए समझौतों में टेक्सटाइल सेक्टर को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय निर्यातकों के लिए दुनिया के सबसे बड़े, संपन्न और विकसित बाजारों में शून्य आयात शुल्क प्रवेश (जीरो-ड्यूटी एक्सेस) का सुगम मार्ग निश्चित ही प्रशस्त हुआ है।इस दिशा में सबसे ऐतिहासिक कदम भारत और ब्रिटेन के बीच 15 जुलाई से लागू हुआ व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीटा) है। इस समझौते के अंतर्गत ब्रिटेन सरकार ने भारतीय टेक्सटाइल और परिधानों पर पूर्व में लगने वाले 12 प्रतिशत तक के उच्च आयात शुल्क को पूरी तरह से समाप्त कर दिया है। इस बड़ी और महत्वपूर्ण रियायत के बाद ब्रिटिश बाजार में भारतीय कपड़े और रेडीमेड गारमेंट्स हमारे पारंपरिक प्रतिस्पर्धी देशों, जैसे कि बांग्लादेश और वियतनाम की तुलना में अत्यधिक सस्ते, आकर्षक और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्पर्धी हो गए हैं। इस समझौते के लागू होने तथा भारतीय निर्यातकों की उन्नत पूर्व-तैयारी के चलते वर्तमान में ब्रिटेन के बाजारों से भारतीय टेक्सटाइल की मांग में तीव्र और ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की जा रही है। इसके अतिरिक्त, गत एक जून से भारत और ओमान के बीच लागू व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) के अंतर्गत ओमान ने भी भारत के टेक्सटाइल उत्पादों सहित 99 प्रतिशत से अधिक घरेलू उत्पादों पर आयात शुल्क को पूरी तरह से शून्य कर दिया है। संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन के साथ सफलतापूर्वक संचालित हो रहे व्यापारिक समझौतों ने पहले ही भारतीय टेक्सटाइल निर्यात को एक नई ऊंचाई और सुदृढ़ आधार प्रदान कर दिया है। इसवधि की तुलना में सालाना आधार पर 10.3 प्रतिशत की ठोस वृद्धि को दर्शाता है।

विचार

बगावत की आंच

आशीष मिश्र

लेखक

ताकत का एक बड़ा आधार उसका संगठन, बूथ स्तर तक फैला नेटवर्क और अलग-अलग जातियों व सामाजिक समूहों को साथ लाने की रणनीति रही है। ऐसे में जब चुनावी मैदान में उतरने से पहले ही कुछ प्रभावशाली नेता पार्टी के फैसलों पर सवाल उठाने लगें तो चुनौती केवल उनकी नाराजगी दूर करने की नहीं रह जाती। सवाल यह भी होता है कि क्या असंतोष दूसरे नेताओं और कार्यकर्ताओं तक पहुंचेगा और क्या इसका असर स्थानीय चुनावी समीकरणों पर पड़ेगा।धर्मेंद्र कश्यप का मामला इसी लिहाज से महत्वपूर्ण है।

यूपी में 2027 के चुनाव से पहले भाजपा के भीतर टिकट न मिलने और उपेक्षा से असंतोष बढ़ रहा है. पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप और डॉ. संजयन त्रिपाठी ने भाजपा छोड़ सपा का दामन थाम लिया है. कौशल किशोर, बृजभूषण सिंह और संजीव बालियान जैसे नेताओं के तेवर भी पार्टी की चुनौतियां बढ़ा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी भारतीय जनता पार्टी के सामने विपक्ष की चुनौती तो है ही अपने नेताओं के असंतोष को संभालना भी कम मुश्किल नहीं दिख रहा। राज्यसभा के टिकट से नाराज आंवला के पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप ने पार्टी छोड़ दी है, उन्होंने सपा का दामन थाम लिया है। विधान परिषद के गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में टिकट नहीं मिलने पर [illegible] से बगावत करने वाले डॉ। संजयन त्रिपाठी समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी बन गए। पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर के परिवार की नाराजगी सामने आई है, जबकि कैसरगंज के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह और पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान के बयानों ने भी पार्टी के भीतर असहजता बढ़ाई है। ताकत का एक बड़ा आधार उसका संगठन, बूथ स्तर तक फैला नेटवर्क और अलग-अलग जातियों व सामाजिक समूहों को साथ लाने की रणनीति रही है। ऐसे में जब चुनावी मैदान में उतरने से पहले ही कुछ प्रभावशाली नेता पार्टी के फैसलों पर सवाल उठाने लगें तो चुनौती केवल उनकी नाराजगी दूर करने की नहीं रह जाती। सवाल यह भी होता है कि क्या असंतोष दूसरे नेताओं और कार्यकर्ताओं तक पहुंचेगा और क्या इसका असर स्थानीय चुनावी समीकरणों पर पड़ेगा।धर्मेंद्र कश्यप का मामला इसी लिहाज से महत्वपूर्ण है। आंवला लोकसभा सीट से 2014 और 2019 में BJP के टिकट पर सांसद चुने गए कश्यप 2024 का लोकसभा चुनाव हार गए थे। 5 अक्टूबर को BJP की राज्यसभा प्रत्याशियों की सूची जारी होने के बाद 6 अक्टूबर की शाम उन्होंने फेसबुक पर 'टाटा बाय-बाय' लिखा। 7 अक्टूबर को उन्होंने पार्टी छोड़ने की घोषणा की थी और रविवार (11 अक्टूबर) को उन्होंने पार्टी छोड़ दी। कश्यप ने अपनी नाराजगी का कारण बताते हुए कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में जिन लोगों ने उनकी खुलकर खिलाफत की, वे आज पार्टी में बड़े पदों पर हैं। कश्यप के मुताबिक ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने से उनके जैसे नेताओं के लिए पार्टी छोड़ना स्वाभाविक है। उन्होंने किसी नेता का नाम नहीं लिया



इसलिए उनकी नाराजगी को केवल राज्यसभा का टिकट नहीं मिलने से जोड़ना अधूरा होगा। उनके बयान का दूसरा पहलू यह है कि वे संगठन में पद और प्रतिष्ठा के बंटवारे को लेकर सवाल उठा रहे हैं।

कश्यप की राजनीतिक यात्रा भी इस घटनाक्रम को अहम बनाती है। वे 2002 में बहुजन समाज पार्टी ([illegible]) के टिकट पर बिथरी चैनपुर से विधायक बने और 2007 में सपा के टिकट पर विधानसभा पहुंचे। मुलायम सिंह यादव सरकार में दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री रहे कश्यप 2013 के आखिर में [illegible]में शामिल हो गए थे। इसके बाद दो बार लोकसभा चुनाव जीतकर उन्होंने आंवला में अपनी राजनीतिक जमीन बनाई। कश्यप अपनी बेटी कीर्ति कश्यप को भी राजनीति में लाने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया है कि वे जहां से चाहेंगे वहां से उनकी बेटी को टिकट मिलेगा, हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि किस दल से! असंतोष का दूसरा उदाहरण विधान परिषद के गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से सामने आया। यहां मौजूदा एमएलसी ध्रुव कुमार त्रिपाठी को [illegible]का समर्थन मिलने से नाराज डॉ। संजयन त्रिपाठी ने पहले निर्दलीय नामांकन किया और फिर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी बन गए। एक अक्टूबर को नामांकन के बाद उन्होंने अपनी गाड़ी से BJP का झंडा उतारकर पार्टी से दूरी का संकेत दिया। तीन अक्टूबर को लखनऊ में अखिलेश यादव की प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनके बगल में बैठने के साथ ही यह साफ हो गया था कि उनकी राजनीतिक राह अब सपा के साथ होगी। इस घटनाक्रम ने [illegible]के असंतुष्ट नेता को अपने पाले में लाने की सपा की रणनीति भी सामने रखी। चर्चा है कि पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी ने संजयन त्रिपाठी की अखिलेश यादव से मुलाकात कराने और उन्हें टिकट दिलाने में अहम भूमिका निभाई। सपा ने अपने पहले घोषित प्रत्याशी कमलेश यादव की जगह संजयन को उम्मीदवार बनाया। यानी

संजयन त्रिपाठी ने कहा कि जिस पार्टी में उन्होंने वर्षों तक काम किया, उसने उनका तिरस्कार किया, जबकि सपा ने उन्हें अपनाने के साथ प्रत्याशी भी बनाया। उनके समर्थकों ने 'घायल हूं, इसलिए घातक हूं' जैसे नारों के जरिए उनकी राजनीतिक ताकत दिखाने की कोशिश की। BJP के लिए इस घटनाक्रम का महत्व इसलिए भी है कि विधान परिषद चुनाव में टिकट वितरण को लेकर असंतोष खुलकर सामने आया और विपक्ष को संगठन के भीतर की नाराजगी को अपने पक्ष में इस्तेमाल करने का मौका मिला। हालांकि पार्टी ने संजयन के आरोपों को नहीं माना है। पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय ने कहा कि टिकट मांगने वाले कई लोग होते हैं लेकिन प्रत्याशी एक ही बन सकता है। उनके मुताबिक संजयन को पार्टी के उम्मीदवार का साथ देना चाहिए था और उनका पार्टी छोड़ना साबित करता है कि वे स्वार्थ के लिए BJP में थे। राय ने दावा किया कि BJP का प्रत्याशी मजबूती से चुनाव लड़ रहा है।

विचार

एलन मस्क प्रकरण, विदेशी मुख के शंख न बनें राहुल गांधी

राकेश सैन

लेखक

अपने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मस्क ने कहा कि स्टारलिंक को 165 से ज्यादा देशों में लाइसेंस मिल चुका है और उसने पांच वर्षों तक भारत के हर कानून का पालन किया, फिर भी लाइसेंस क्यों नहीं मिला? क्या अंबानी ही भारत के असली बॉस हैं यह बात पूरी तरह सच नहीं है।शंख का यह दुर्भाग्य है कि ईश्वर ने उसे मजबूत खोल तो दिया है पर कोमल मस्तिष्क नहीं, तो बेचारा पराई फूक से बजने को मजबूर है। शंख की इसी मजबूरी के खतरे भी अनेक है, चाहते न चाहते हुए भी वह दूसरों की ह्यवर्ड को आवाज दे देता है और वो भी कई गुना बढ़ा कर। आजकल देश के प्रतिपक्षी नेता राहुल गांधी हर विदेशी मुंह का शंख बनने के प्रयास में दिख रहे हैं।



दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति और स्टारलिंक के मालिक एलन मस्क का भारत सरकार पर किया गया हमला अनेक तरह के खतरनाक संकेत समेटे हुए हैं और इस हमले में किसी विदेशी शक्ति को देश के किसी संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति का एक स्वर होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। राहुल गांधी को विदेशी फूक से बजने वाला शंख बनने से गुरेज करना चाहिए। जैसा कि सभी जानते हैं कि, सूचना प्रौद्योगिकी जिस तेजी से विकसित हो रही है उसी तेजी से इसके खतरे भी बढ़ रहे हैं। यह तकनीक जहां बड़ी आबादी को लाभ पहुंचा रही है, वहीं इसे नियंत्रित करने वाली चंद कंपनियों को बेशुमार ताकत भी सौंप रही है। इतनी कि ये कंपनियां राजनीतिक शक्तियों को भी बौना समझने लगी हैं। जहां बात नहीं बनती, वहां वे राष्ट्रीय नेतृत्व की साख बिगाडने में लग जाती हैं। कुछ देशों में सरकारें बनाने-गिराने के खेल में सक्रिय रहकर स्वार्थ साधना तो उनका पुराना नुस्खा है। दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति और स्टारलिंक के मालिक एलन मस्क का भारत सरकार पर किया गया अपनी तरह का %पहला हमला% इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए।अपने सोशल मीडिया मंच %एक्स% पर मस्क ने कहा कि स्टारलिंक को 165 से ज्यादा देशों में लाइसेंस मिल चुका है और उसने पांच वर्षों तक भारत के हर कानून का पालन किया, फिर भी लाइसेंस क्यों नहीं मिला? क्या अंबानी ही भारत के असली बॉस हैं? यह बात पूरी तरह सच नहीं है। सरकार ने साफ किया कि स्टारलिंक को मई 2025 में ही लाइसेंस मिल चुका है। सिर्फ स्पेक्ट्रम आवंटन अटका है, क्योंकि विदेशी निवेश की मंजूरी और सुरक्षा शर्तों का परीक्षण बाकी है। स्टारलिंक ने जमीनी ढांचा विकसित करने के लिए जियो और भारती एयरटेल से साझेदारी भी की है और जियो के मालिक मुकेश अंबानी ही हैं। तो अंबानी पर कटाक्ष का अर्थ क्या है? सीधा अर्थ है कि मस्क सुरक्षा शर्तों में ढील चाहते हैं और यह भी कि सैटेलाइट फोन के क्षेत्र में कोई भारतीय कंपनी उनके मुकाबले आगे न बढ़े, क्योंकि अंबानी भी यह महत्वाकांक्षा रखते हैं।

ऐसे समय, जब केंद्र सरकार नीट और एसआइआर पर घरेलू राजनीति में घिरी है, मस्क की टिप्पणी मौके का फायदा उठाने की चाल है। ऐसा लगता है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस सोची-समझी चाल पर बिना सोचे प्रतिक्रिया दे दी- भारत में स्वागत है एलन, जब तक दूसरा शख्स न मिले इंतजार करें। जबकि, स्टारलिंक के जियो और एयरटेल से समझौते पर तब कांग्रेस ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी।घरेलू मोर्चे पर सरकार को घेरना एक बात है और अंतरराष्ट्रीय दांव-पेचों में शामिल होना दूसरी। क्या सुरक्षा की चिंता किए बिना किसी सैटेलाइट कंपनी को इसलिए मंजूरी दे देनी चाहिए कि उसके मालिक अंबानी-अदाणी नहीं, मस्क हैं? दूसरी बात यह है कि विदेशी कंपनी के आगे भारतीय कंपनी को तरजीह क्यों नहीं मिलनी चाहिए, भले ही वह अंबानी या अदाणी की ही क्यों न हो, जिनकी मोनोपॉली विपक्ष के लिए घरेलू मुद्दा है? मस्क जैसे लोग नई तकनीकों से मानवता की भलाई के लिए भले ही ढेरों काम कर रहे हों, पर इससे शायद ही कोई इनकार करे कि आर्थिक और राष्ट्रीय हितों के टकराव में उनका व्यवहार पराया ही रहेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में ऐसे तकनीकी महारथियों से सावधान रहना होगा, न सिर्फ सत्ता पक्ष को बल्कि विपक्ष को भी। माना कि शंख मस्तिष्क विहीन होते हैं पर शंख से जुड़े किसी न किसी को तो यह जिम्मेदारी उठानी पड़ेगी कि कोई विदेशी फूक शंख के माध्यम से देश का वातावरण बिगाड़ न पाए।



मोहन : सोहन तुम मुझे एक हजार रुपए उधार दे दो तो मैं तुम्हारा जिंदगी भर ऋणी रहूंगा।
सोहन : नहीं यार मोहन। मैं तुम्हें इतने लंबे समय के लिए ऋण नहीं दे सकता हूं।

● ● ● ●

एक आदमी टैक्सी में बैठा और ड्राइवर से बोला : जरा तेज चलो वरना मेरा चित्रहार निकल जाएगा।
ड्राइवर : अगर मैं ज्यादा तेज चला तो ऐसा न हो कि आपके और मेरे चित्रों पर हार चढ़ जाए।

● ● ● ●

एक यात्री किसान से : अगर मैं तुम्हारे खेत से होकर जाऊं तो क्या पांच बजे वाली गाड़ी पकड़ सकता हूं।
किसान : बिलकुल पकड़ लोगे और यदि तुम्हें मेरे कुत्ते ने देख लिया तो तुम चार बजे वाली गाड़ी भी पकड़ सकते हो।

● ● ● ●

एक लड़का आंखों के डॉक्टर के पास गया और बोला : मुझे चश्मा बनवाना है।
डॉक्टर : किसके लिए बनवाना है।
लड़का : मास्टरजी के लिए। उन्हें मैं गधा दिखाई देता हूं।

● ● ● ●

किसी के सुतली में बंधे रुपए गिरे हैं क्या। एक आदमी ने बाजार में खड़े होकर पूछा।
मेरे गिरे हैं। एक साथ कई लोग बोले। आदमी बोला : मुझे तो सिर्फ सुतली ही मिली है।

● ● ● ●

मेहमान : क्या बात है, मैं जब भी खाना खाता हूं, आपका कुत्ता मुझे घूरने लगता है।
मेजबान : क्योंकि हमारा कुत्ता अपनी प्लेट पहचानता है।

● ● ● ●

संजय : मदन तुम बात करते समय हमेशा अपने मुंह में शकर क्यों रख लेते हो।
मदन : क्योंकि मास्टरजी ने हमेशा मीठा बोलने को कहा है।

● ● ● ●

सेठजी कार से जा रहे थे। अचानक ड्राइवर ने ब्रेक लगा दिए। धक्का लगा तो उन्होंने ड्राइवर से पूछा। ड्राइवर बोला : सामने एक पत्थर आ गया था।
सेठजी : तो हार्न क्यों नहीं बजाया।

रोमांचक यात्रा

विक्की स्कूल से बाहर निकला तो देखा, शाम का अंधेरा घिरने लगा था। आज स्पोर्ट्स प्रेक्टिस में काफी देर लग गई। घर के पास चौराहे पर पहुंच उसने सोचा, 'सड़क-सड़क जाऊंगा तो रास्ता लम्बा पड़ेगा। घर के पिछवाड़े खेत से छोटा पड़ेगा।'

लकड़ी का गेट खोल वह खेत की पगडंडी पर चल दिया। मौसमी सब्जियां खूब लगी थीं। अंधेरा न हुआ होता तो विक्की दो-तीन खीरे तोड़कर खा चुका होता। पर शाम के बाद पेड़-पौधे भी सो जाते हैं, मम्मी ने बताया था। चलते-चलते उसने चारों तरफ नजर डाली। लगा खेत के सब पौधे ऊंघने लगे थे। 'अरे, यह कद्दू?' विक्की ठिठका। सुबह तो कद्दू छोटा सा था। दिन भर में ही इतना बड़ा कैसे हो गया। वह देखने के लिए झुका। कुछ साफ दिखाई नहीं दिया। एकदम अंधेरा घिर आया। 'कल देखेंगे', सोच वह घर की तरफ बढ़ गया।

खाना खाते वक्त उसने मम्मी से कद्दू की बात की। 'टहनी पर लगे फल-सब्जी एक दिन में बड़े नहीं हो जाते। वक्त लगता है। अंधेरे में परछाई-वरछाई पड़ रही होगी।' विक्की को लगा, मम्मी की बात ही ठीक होगी। अगली सुबह न जाने क्यों विक्की खेत के रास्ते से हो स्कूल के लिए चला। कद्दू की बेल के पास आ ठिठका, देखा और हंस दिया, 'यह तो कल सुबह जितना छोटा ही है। रात जरूर किसी चीज की परछाई पड़ रही होगी।' आज उसकी आठवीं क्लास की प्रेक्टिस कुछ पहले खत्म हो गई। दसवीं के बच्चे अभी प्रेक्टिस कर रहे थे।

घर के पास वाले चौराहे पर आ विक्की ठिठका। फिर कुछ सोच सड़क छोड़, खेत के अन्दर से जाने लगा। 'ओह..तो..' विक्की बुदबुदाया। सुबह वाला छोटा सा कद्दू आज फिर बड़ा था। उसने चारों तरफ देखा। अभी अंधेरा नहीं हुआ था। दिन की रोशनी। परछाई के भ्रम का तो सवाल ही नहीं। उसने गौर से देखा। इस बेल में इतने बड़े कद्दू लगते ही नहीं। उसे लगा कद्दू बहुत धीरे-धीरे बड़ा हो रहा है। 'कोई जादू है क्या?' विक्की को आनन्द आने लगा '..हमारे खेत में जादू का कद्दू..।' उसने कहीं पढ़ा था कि भूत या जादू की बातें रात को होती हैं। उसने मन ही मन कुछ फैसला किया और घर चला आया। आज उसने मम्मी से कुछ नहीं कहा। रात के साढ़े ग्यारह बजे, घर के सब लोग सो चुके थे। विक्की बिस्तर से उठ चुपचाप खेत की तरफ चल दिया। कद्दू की बेल के पास पहुंच विक्की हैरान। कद्दू इतना बड़ा हो चुका था, जैसे खूब बड़ा मूढ़ा। 'हे भगवान! यह माजरा क्या है?' तभी विक्की को जैसे करंट लगा। उसने देखा, कद्दू बेल से अलग हो धीरे-धीरे ऊपर उठने लगा, जैसे हवाई जहाज टेक-ऑफ के बाद ऊपर उठता है। विक्की को पता नहीं क्या सूझा, वह उछल कर कद्दू पर बैठ गया। जो डंडी बेल से अलग हुई, वह इतनी बड़ी थी कि विक्की उसे दोनों हाथों से पकड़ आराम से बैठ गया। कद्दू ऊपर उठ हवा में उड़ने लगा। विक्की को जरा भी डर नहीं लगा। उसे खूब आनन्द आ रहा था। ऊपर से शहर कितना अच्छा लगता है। रात की ठंडी हवा..ऊपर आसमान में चमकते सितारे, नीचे शहर की सड़कों पर जलती बिजली की रोशनी। घरों, पेड़ों और नदी के ऊपर से होता हुआ कद्दू उड़े जा रहा था।

'क्या हम परीलोक जा रहे हैं,' विक्की ने सोचा।

बहुत देर उड़ते रहने के बाद कद्दू नीचे उतरने लगा। विक्की ने कस कर डंठल को पकड़ लिया। नीचे झांका। एक छोटी-सी बस्ती। छोटी साफ-सुथरी सड़कें। छोटे-छोटे घर। 'इतने छोटे घरों में कौन रहता होगा?' तभी कद्दू नीचे उतर रुक गया। उसके उतरते ही चारों तरफ से दौड़-दौड़ कर किस्म-किस्म के सब्जी व फल वहां जा पहुंचे।

'महाराज आ गए। महाराज की जय हो।' सबने आकर कद्दू को प्रणाम किया। महाराज ने मुस्करा कर सबका अभिवादन स्वीकार किया। छोटी सी लौकी बार-बार सामने आ उछल रही थी। महाराज ने उसे प्यार किया, 'कैसी हो छोटी? बहुत खुश लग रही हो।'

विक्की हैरानी से नजारा देख रहा था। डंठल के चारों तरफ का गड्ढा इतना बड़ा था, वह आराम से उसमें बैठा था। सामने एक छोटा सा झरना था। झरने के पानी में ढेरों सब्जियां नहा रही थीं।

'ओ..ये छोटे घर सब्जियों के हैं और यह बस्ती भी सब्जियों की लगती है।' तभी वहां एक आलू आया। खूब बड़ा। शोर उभरा, 'मंत्रीजी आ गए।'

मंत्री ने आकर राजा को प्रणाम किया।

'चलें महाराज? सभा में सब आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं।'

'..हां, तुम सब यहीं रहो। महाराज जरूरी मीटिंग के लिए जा रहे हैं।' महाराज और मंत्री दोनों बस्ती के दूसरे छोर की तरफ चले। घरों से निकल सभी सब्जियां 'प्रणाम महाराज', कह अभिवादन कर रही थीं।

'पाय लागू महाराज', अचानक इस आवाज से महाराज ठहर गए।

'कौन है?'

एक छोटी-सी भिंडी सकुचाती हुई सामने आई।

'तुम हो? पाय लागू कहां से सीख लिया? मां ने सिखाया होगा?'

भिंडी शरमा कर घर में भाग गई।

आगे जाकर एक छोटे से मैदान में 5-6 बुजुर्ग सब्जियां, मतलब राजसभा के सदस्य बैठे थे।

महाराज ने सबका प्रणाम स्वीकार किया और अपनी गद्दी पर बैठ गए। उन्होंने बैंगन से कहा, 'अपनी रिपोर्ट दो।' 'महाराज। एक अफवाह तेजी से फैल रही है कि पड़ोस की सब्जी-नगरी का कद्दू राजा हमारे राज्य पर अधिकार करना चाहता है।' कटहल ने कहा, 'आपकी छत्रछाया में हम सब यहां कितने सुख और प्यार से रह रहे हैं। हम दूसरे को बर्दाश्त नहीं करेंगे।'

'किसी ने उसे देखा है?' आलू ने कहा, 'देखा तो नहीं। पर, सुना है, एक दो दिन में हमला कर सकता है।'

'तुम्हें जो योजना बताई थी, याद है?' मिर्ची के बीज रख दिए हैं। उनके पीछे.., महाराज ने बीच में रोक दिया, 'उसके बाद किसी की जरूरत नहीं पड़ेगी।'

लम्बी छरहरी इमली ने कहा, 'महाराज! आप यहां से चले क्यों गए? आपके बिना हमें डर लगता है।'

महाराज जोर से हंसे, 'तुम्हें डर लगता है? तू तो अपनी खटास से किसी को भी बदहवास कर सकती है। तैयार रहना।'

'मैं तैयार हूं महाराज।' कद्दू ने कुछ देर मंत्रणा की। फिर कहा, 'अब हम चलते हैं। कल आएंगे। जैसे समझाया है, सब वैसे करना। हमें कोई जीत नहीं सकेगा।'

कद्दू उड़ कर वापस विक्की के खेत में आ अपनी जगह बैठ गया। विक्की उतर कर घर चला आया। उसे बहुत मजा आ रहा था। कद्दू की सवारी में तो खूब आनन्द आया। पर सब्जियों के राज्यों में भी युद्ध होता है। कद्दू ने कहा था वह कल भी जाएगा...हम कल भी जाएंगे।

विक्की अगली रात भी खेत में पहुंच गया। कद्दू जैसे उसी का इंतजार कर रहा था। उसके बैठते ही उड़ चला। विक्की को लगा आज कद्दू कल से ज्यादा बड़ा है। उसको बैठने के लिए खूब जगह मिल गई। विक्की अपने साथ तेज धार वाला बड़ा चाकू ले आया था, ..शायद जरूरत पड़ जाए।' सब्जी बस्ती में उतरते ही अजीब सा खौफ भरा सन्नाटा नजर आया। आलू ने बताया कि पक्की खबर मिली है कि वह आज हमला करेगा।

कद्दू ने कहा, 'हम आ गए हैं। घबराओ मत। तुम सब तैयार रहना। हम थोड़ा ऊपर उठ कर उसे देखने की कोशिश करते हैं।' कद्दू ऊपर उठा। कहीं कोई नजर नहीं आया। वह और ऊपर उठा। अचानक एक तरफ से पहाड़ सा कद्दू आकर इस कद्दू को टक्कर मारने को तैयार हुआ।

'आज हम तुझे मार कर इस बस्ती पर अधिकार कर लेंगे', कह कर कद्दू पर झपटा। वह टक्कर मारने वाला था कि चीख मार कर गिरने लगा। सबने देखा, उसका पेट फट गया था। बीज, गूदा सब बाहर निकल आया। वह मर रहा था। नीचे गिरते हुए उसकी चीखें धीमी पड़ती जा रही थीं।

नीचे किसी को समझ नहीं आया कि यह चमत्कार कैसे हो गया। विक्की का चाकू। बड़े कद्दू को पास आते देख विक्की ने चाकू उसके पेट में घुसेड़ दिया।

महाराज नीचे उतरे। मोटा कद्दू चारों खाने चित्त पड़ा था।

बस्ती वालों की जय-जयकार से आसमान गूंज उठा, 'हमारे महाराज सर्वश्रेष्ठ...महाराज की जय हो.. अब कोई दुश्मन हमारी तरफ आंख उठा कर नहीं देखेगा।'

जश्न के बाद कद्दू वापस जाने के लिए ऊपर उठा। खेत में आ अपनी जगह बैठ गया।

विक्की





छोटी गर्दन वाला सफेद गैंडा

बड़े सिर और भारी शरीर वाला सफेद गैंडा, गैंडों की पांच बड़ी प्रजातियों में से एक है और यह कुछ हाथियों की तरह दुनिया के बड़े स्तनपायियों में से एक माना जाता है।

लेकिन भारी शरीर के साथ इसकी गर्दन छोटी और छाती चौड़ी होती है। नर सफेद गैंडे का वजन 2300 किलोग्राम होता है। अब तक के सबसे बड़े गैंडे का वजन 4500 किलोग्राम तक रिकॉर्ड किया गया है। इस जानवर में एक खास बात यह है कि इसकी नाक पर दो सींग होते हैं, जो कैरोटिन के बने होते हैं। इस गैंडे में एक खास चीज और होती है, वह है इसके पीठ पर उठा हुआ कूबड़। घास को अच्छी तरह से खाने के लिए इसके पास चौड़ा मुंह होता है। वैसे तो इसके कान सब कुछ सुन लेते हैं, लेकिन यह ज्यादातर समय सूंघकर ही अपना काम चलाता है। इसकी नाक धरती पर पाए जाने वाले सभी जानवरों में सबसे चौड़ी होती है। यह 40 से 50 साल तक जीवित रह सकता है।

निर्दयी शिकारी है टिम्बर भेड़िया

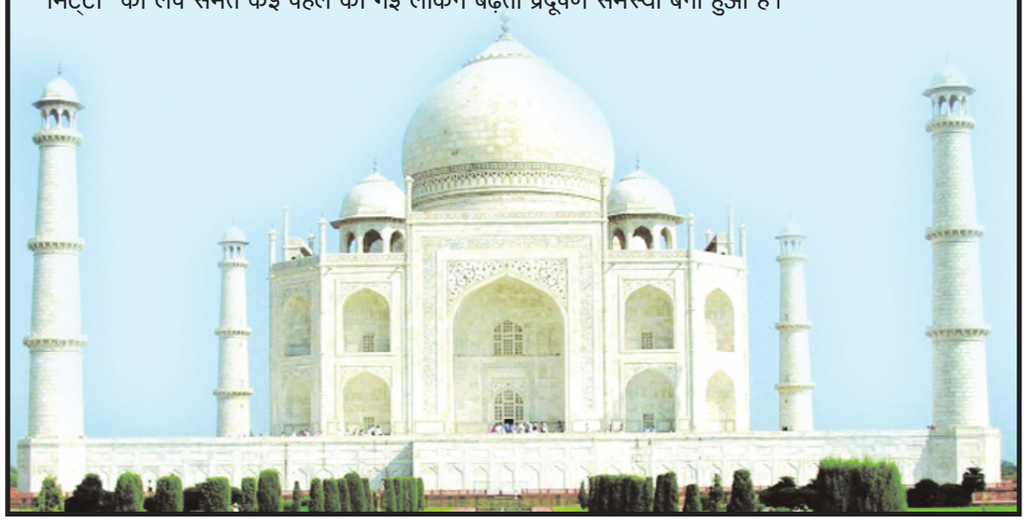


अलास्का तथा उत्तरी कनाडा के जंगलों में पाया जाने वाला 'टिम्बर भेड़िया' देखने में हालांकि कुत्ते जैसा ही प्रतीत होता है किन्तु यह इतना शक्तिशाली होता है कि बड़े-बड़े जानवरों को भी आसानी से मार डालता है। लगभग डेढ़ मीटर लम्बा भेड़ियों की विशेष प्रजाति का सदस्य 'टिम्बर भेड़िया' सूंघकर नहीं बल्कि देखकर शिकार करता है। भूरे रंग का यह भेड़िया देखने में काफी सुंदर लगता है किन्तु इसे बहुत ही निर्दयी शिकारी माना जाता है, जो इतना ताकतवर जानवर है कि यह 'इल्क' जैसे बड़े-बड़े जानवरों को भी आसानी से मौत की नींद सुला डालता है। बस, एक बार कोई शिकार इनकी नजर में आ जाए, फिर उसका बचना लगभग नामुमकिन होता है। टिम्बर भेड़िए तब तक उसका पीछा नहीं छोड़ते, जब तक कि शिकार इनकी गिरफ्त में न आ जाए। बहुत दूर तक अपने शिकार का पीछा करने के बाद जब टिम्बर भेड़िया शिकार को दबोचने में सफल हो जाता है तो बुरी तरह उस पर टूट पड़ता है और बहुत ही निर्दयता से उसे मार डालता है। यही वजह है कि टिम्बर भेड़िया को एक 'निर्दयी शिकारी' भी कहा जाता है। अलास्का तथा उत्तरी कनाडा के जंगलों में पाए जाने वाले टिम्बर भेड़िए की तादाद अन्य भेड़ियों की तुलना में बहुत अधिक होती है, जहां भूरे रंग के टिम्बर भेड़िए ही बहुतायत में पाए जाते हैं। हालांकि टिम्बर भेड़ियों की गहरे भूरे रंग, हल्के लाल रंग तथा सफेद रंग की प्रजातियां भी पाई जाती हैं किन्तु ये प्रजातियां बहुत दुर्लभ हैं। टिम्बर भेड़िए के शरीर पर भूरे रंग की बहुत घनी और मुलायम फर होती है। इसकी करीब आधा मीटर लंबी पूंछ झाड़ियों जैसी घनी होती है।

जाने ताजमहल की कुछ अनसुनी बातें

मुमताज महल और शाहजहां के प्रेम का प्रतीक है ताजमहल। इसके निर्माण से संबंधित बहुत सारी कथाएं प्रचलित हैं। अपनी चौदहवीं संतान को जन्म देने के उपरांत बुरहानपुर में मुमताज महल की मौत हो गई। उनके पार्थिव शव को छह महीने तक इसी स्थान पर दफना कर रखा गया और कुछ समय बाद शव को कब्र से निकाल कर शाहजहां अपने साथ आगरा ले गए और उसे ताजमहल में दफनाया गया।

ताजमहल भारत का गौरव है और वह दुनिया के 8 अजूबों में से एक है। इसका निर्माण कार्य 1632 में शुरु हुआ था। इस स्मारक को बनाने में पूरे बाइस साल (1630-1652) लगे। सफेद संगमरमर से बना यह मकबरा वर्गाकार नींव पर आधारित है। यह खूबसूरत महल प्यार का प्रतीक माना जाता है। हर शुक्रवार को ताजमहल बंद रहता है। यह 400 वर्ष पुराना है और इसका निर्माण 20 हजार मजदूरों ने रात-दिन काम करके चमकीले सफेद संगमरमर से बेहतरीन मुगल वास्तुकला के नमूने के रूप में किया था। जो ईरानी और भारतीय शैलियों का सुमेल है। ताज परिसर में कदम रखते ही आप मंत्रमुग्ध हो जाते हैं कि इतनी खूबसूरत रचना मनुष्य ने कैसे की होगी। पूरे परिसर में सजावट के रूप में कुरान की आयतें उकरी हुई हैं। सफेद संगमरमर से बना यह मकबरा वर्गाकार नींव पर आधारित है। यह मेहराबरूपी गुंबद के नीचे है और यहां एक वक्राकार गेट के जरिए पहुंचा जा सकता है। 300 मीटर का वर्गाकार चार बाग भी ताजमहल की शोभा बढ़ाते हैं। इसमें कई उठे हुए रास्ते हैं, जो बाग को 16 फूलों की क्यारियों में बांटते हैं। ताजमहल की सुंदरता का कोई भी बखान नहीं कर सकता। ताजमहल के वजूद पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यमुना नदी में पानी का स्तर कम होने के कारण ताजमहल की नींव में लगी लकड़ी सूख रही है जिससे ताजमहल के अस्तित्व को भयानक खतरा हो सकता है। अन्य कारणों पर दृष्टिपात करें तो आगरा में ताजमहल के आसपास के इलाकों में औद्योगिक इकाइयों के खुलने के कारण इस धरोधर के क्षतिग्रस्त होने की आशंकाएं बढ़ गई हैं साथ ही खतरा इस इमारत की खूबसूरती पर दाग लगने का भी बढ़ रहा है। ताजमहल पर 'मुलतानी मिट्टी' का लेप समेत कई पहल की गई लेकिन बढ़ता प्रदूषण समस्या बना हुआ है।



न्यूज इन शॉर्ट

जनसुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, चक्रवाती तूफान से निपटने सभी तैयारियां सुनिश्चित करें -राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा

रायपुर, बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवाती तूफान अर्नब के संभावित प्रभाव को देखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने जनसुरक्षा और आपदा प्रबंधन की तैयारियां तेज कर दी हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, रायपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार 27 एवं 28 अक्टूबर को प्रदेश के सुकमा, दंतेवाड़ा, बीजापुर, नारायणपुर, कोंडागांव, बस्तर, कांकेर, महासमुंद, धमतरी, गरियाबंद, बालोद और रायपुर जिले में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश होने की संभावना है। संभावित परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए राज्य शासन ने संबंधित जिलों में सतर्कता बढ़ाने और आवश्यक एहतियाती उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। नागरिकों की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि प्रदेश के नागरिकों की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। संभावित चक्रवाती तूफान और भारी बारिश से उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों से निपटने के लिए प्रशासन को पूरी सतर्कता और तत्परता के साथ कार्य करना होगा। किसी भी आपात स्थिति में प्रभावित लोगों तक तत्काल सहायता पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को आपदा प्रबंधन से जुड़ी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं तैयार रखने और संवेदनशील क्षेत्रों की विशेष निगरानी करने के निर्देश दिए।

मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि संभावित आपदा से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए समय पर सूचना और पूर्व तैयारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी जिला कलेक्टरों को तेज हवाओं और तूफान से गिरने की आशंका वाले जर्जर एवं असुरक्षित मकानों को चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही जलाशयों के जलस्तर की नियमित निगरानी करने और पानी छोड़े जाने की स्थिति में संबंधित क्षेत्रों को 48 घंटे पहले सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं। आपदा प्रबंधन की तैयारी विशेष प्राथमिकता राज्य शासन द्वारा संभावित आपदा से प्रभावित होने वाले संवेदनशील गांवों का चिन्हांकन भी किया गया है। सुकमा, दंतेवाड़ा, बीजापुर, नारायणपुर, कोंडागांव, बस्तर, कांकेर, महासमुंद, धमतरी, गरियाबंद, बालोद और रायपुर सहित 12 अति संवेदनशील जिलों में 763 गांव चिन्हित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त शेष 21 जिलों में 1006 संवेदनशील गांवों की पहचान की गई है। इस प्रकार प्रदेश में कुल 1769 गांवों को चिन्हित कर आपदा प्रबंधन की तैयारियों में विशेष प्राथमिकता दी जा रही है।

आपदा संबंधी सूचनाओं के लिए टोल फ्री नंबर 1070 राज्य में आपदा संबंधी सूचनाओं और त्वरित सहायता के लिए बाढ़ नियंत्रण कक्ष चौबीसों घंटे संचालित है। इसका टोल फ्री नंबर 1070 है। संभावित खतरे के प्रति नागरिकों को जागरूक करने के लिए दामिनी एवं मेघदूत मोबाइल ऐप के माध्यम से मौसम संबंधी चेतावनियां प्रसारित की जा रही हैं।

राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने नागरिकों से मौसम विभाग की चेतावनियों का पालन करने, अनावश्यक जोखिम से बचने तथा प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि शासन और प्रशासन के समन्वित प्रयासों तथा नागरिकों की सतर्कता से संभावित आपदा के प्रभाव को कम करने और जनजीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

चक्रवात और भारी बारिश की आशंका के मद्देनजर स्कूलों में अवकाश घोषित कर सकेंगे कलेक्टर

रायपुर, छत्तीसगढ़ में चक्रवात के प्रभाव से भारी बारिश और तेज हवाओं की आशंका को देखते हुए राज्य शासन ने विद्यार्थियों की सुरक्षा के मद्देनजर महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी जिला कलेक्टरों को स्थानीय परिस्थितियों एवं आवश्यकताओं के अनुसार शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में अवकाश घोषित करने के अधिकार दिए हैं। उप सचिव स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 27 अक्टूबर 2026 को इस संबंध में आदेश जारी किया गया है।

आदेश में उल्लेख किया गया है कि मौसम विभाग द्वारा

सेवा सेतु पोर्टल से सरल हुई विवाह पंजीयन की प्रक्रिया, त्वरित मिला प्रमाण पत्र

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुरह्य

छत्तीसगढ़ शासन का आधिकारिक सेवा सेतु पोर्टल प्रदेश के नागरिकों को विभिन्न सरकारी सेवाएं और योजनाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने वाला डिजिटल माध्यम है। इस पोर्टल पर आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन, भू-अभिलेख और राजस्व संबंधी सेवाएं उपलब्ध हैं।



सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया सरल और सुविधाजनक हुई है। दंतेवाड़ा जिले के ग्राम पातररास निवासी श्री सतीश मरकाम को पोर्टल के माध्यम से न केवल त्वरित विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ बल्कि इससे उन्हें विवाह के बाद अपनी पत्नी के आधार कार्ड और मतदाता परिचय पत्र में नाम परिवर्तन कराने की प्रक्रिया में सहूलियत मिली।

दंतेवाड़ा विकासखंड के ग्राम पातररास निवासी श्री सतीश मरकाम, पिता श्री रय सिंह मरकाम को अपनी पत्नी के पहचान दस्तावेजों में नाम परिवर्तन कराने के लिए विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। उन्होंने सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से विवाह पंजीयन की सुविधा का लाभ लिया। सरल प्रक्रिया के माध्यम से कम समय में प्रमाण पत्र उपलब्ध होने से उन्हें आवश्यक दस्तावेजों में नाम परिवर्तन की प्रक्रिया आगे बढ़ाने में मदद मिली। सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से नागरिकों को शासकीय सेवाएं सरल, सुलभ और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य कर रही है। सेवा सेतु पोर्टल से विवाह पंजीयन जैसी आवश्यक सेवाओं की प्रक्रियात्मक सरलता से नागरिकों को प्रमाण पत्र प्राप्त करने और उनसे जुड़े अन्य कार्यों को पूरा करने में सुविधा मिल रही है।

बांस शिल्प से गुड्डी ने संवारी परिवार की आर्थिक स्थिति

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बिहान योजना से आत्मनिर्भर बन रहीं ग्रामीण महिलाएं

संवाददाता ➤ रायपुर



मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की ग्रामीण महिलाएं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ उनके पारंपरिक हुनर को स्वरोजगार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसकी प्रेरक मिसाल सरगुजा जिले के आकांक्षी विकासखंड लखनपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत गुमगराकलां की गुड्डी हैं, जिन्होंने महिला स्व-सहायता समूह से 50 हजार रुपये का ऋण लेकर बांस शिल्प को आजीविका का माध्यम बनाया है। कभी आर्थिक कठिनाइयों से जूझने वाली गुड्डी आज अपने हुनर और मेहनत से परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के साथ बच्चों की शिक्षा और बेहतर भविष्य के सपनों को भी साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।गुड्डी बताती हैं कि पहले उनके परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। सीमित आमदनी के कारण घर का खर्च चलाने और बच्चों की पढ़ाई सहित अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

किसानों के हित में संवेदनशील पहल- चरम कृषि मौसम में स्थगित रहेंगे 'विकसित भारत-जी राम जी' के कार्य

बालोद। किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए जिले में कृषि कार्यों के सुचारू संचालन और ग्रामीण श्रमिकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के संवेदनशील नेतृत्व में शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन इस प्रकार सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे खेती-किसानी के महत्वपूर्ण समय में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।छत्तीसगढ़ शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 'विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025' की धारा 6(2) के तहत चरम कृषि मौसम की अवधि अधिसूचित की गई है। इसके अंतर्गत निर्धारित अवधि में योजना के नए कार्यों की स्वीकृति, शुरुआत एवं संचालन नहीं किया जाएगा। इसका उद्देश्य बुआई और कटाई के समय कृषि कार्यों के लिए पर्याप्त मजदूर उपलब्ध कराना तथा खेती-किसानी को प्राथमिकता देना है।

खरीफ और रबी सीजन के लिए निर्धारित हुई अवधि

शासन द्वारा अधिसूचित कार्यक्रम के अनुसार खरीफ फसलों की कटाई के लिए 1 नवंबर से 15 नवंबर 2026 तक की अवधि निर्धारित की गई है। वहीं रबी फसलों की बुआई के लिए 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तथा कटाई के लिए 16 मार्च से 30 मार्च 2027 तक योजना के कार्य स्थगित रहेंगे।इन अवधियों में धान, मक्का, अरहर, मूंग, उड़द एवं सोयाबीन जैसी खरीफ फसलों की कटाई और गेहूं, चना,कार्यों को समय पर पूरा करने में किसानों को सहूलियत मिलेगी।

रायपुर : सेवा सेतु पोर्टल से शासकीय सेवाओं तक पहुंच हुई आसान

सेवा सेतु पोर्टल से शासकीय सेवाओं तक पहुंच हुई आसान

संवाददाता ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन की डिजिटल पहल 'सेवा सेतु' के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा मिल रही है। आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र जैसे जरूरी दस्तावेजों के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया उपलब्ध होने से लोगों को सहूलियत हो रही है। इस व्यवस्था का लाभ विद्यार्थियों को भी मिल रहा है। रायगढ़ जिले की पुसौर तहसील के ग्राम गोर्रा निवासी छात्रा तानिया श्रीवास के लिए सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आय प्रमाण पत्र जारी किया गया है। यह प्रमाण पत्र उन्हें छात्रवृत्ति योजना का लाभ लेने में उपयोगी होगा।



तानिया श्रीवास शासकीय हाई स्कूल गोर्रा में कक्षा 12वीं में जीवविज्ञान विषय की पढ़ाई कर रही हैं। छात्रवृत्ति योजना का लाभ लेने के लिए आय प्रमाण पत्र आवश्यक है। सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से उन्हें जरूरी दस्तावेज आय प्रमाण पत्र प्राप्त करने में सुविधा मिली है। तानिया और उसके परिवार ने इस प्रक्रिया को सुलभ बनाने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। परिवार ने कहा कि ऑनलाइन माध्यम से शासकीय सेवाएं उपलब्ध होने से नागरिकों को जरूरी दस्तावेज प्राप्त करने में सहूलियत मिल रही है।

450 से अधिक शासकीय सेवाएं एक ही पोर्टल पर

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप छत्तीसगढ़ शासन द्वारा शासकीय सेवाओं को सरल, पारदर्शी और जनसुलभ बनाने के उद्देश्य से सेवा सेतु पोर्टल संचालित किया जा रहा है। इस पोर्टल पर 450 से अधिक शासकीय सेवाएं उपलब्ध हैं। इससे पहले ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के माध्यम से 86 सेवाएं उपलब्ध थीं, जिन्हें विस्तारित कर सेवा सेतु के जरिए अधिक सेवाओं को एक ही मंच पर उपलब्ध कराया गया है। पोर्टल के माध्यम से आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र सहित ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बिहान योजना से आत्मनिर्भर बन रहीं ग्रामीण महिलाएं

गन्ने की खेती से ममता राजवाड़े ने बढ़ाई आमदनी

संवाददाता ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की ग्रामीण महिलाएं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से जुड़कर आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। योजना के माध्यम से महिला स्व-सहायता समूहों को मिल रही वित्तीय सहायता और स्वरोजगार के अवसर ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। इसकी प्रेरक मिसाल सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत कटकोना की ममता राजवाड़े हैं, जिन्होंने महिला स्व-सहायता समूह से डेढ़ लाख रुपये का ऋण लेकर गन्ने की खेती शुरू की और इससे प्राप्त आमदनी से ब्याज सहित पूरा ऋण चुका दिया। आज वे पांच एकड़ भूमि में गन्ने की खेती के साथ गुड़ उत्पादन कर परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत बना रही हैं। इस वर्ष गन्ने की खेती और उत्पादों की बिक्री से उन्हें अब तक लगभग एक से डेढ़ लाख रुपये की आमदनी हो चुकी है।



डेढ़ लाख रुपये के ऋण से शुरू की खेती, आमदनी से ब्याज सहित चुकाई पूरी राशि

पीपल महिला स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष ममता राजवाड़े बताती हैं कि पहले उनके परिवार को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। खेती और अन्य आजीविका गतिविधियों के विस्तार के लिए पर्याप्त पूंजी उपलब्ध नहीं होने के कारण वे चाहकर भी अपनी आमदनी नहीं बढ़ा पा रही थीं। इसी दौरान वे बिहान योजना के अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ीं और नियमित बचत शुरू की। समूह को रिवॉल्विंग फंड (आरएफ) और सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) के माध्यम से वित्तीय सहायता प्राप्त हुई, जिससे समूह की महिलाओं को आजीविका गतिविधियां शुरू करने और उनका विस्तार करने का अवसर मिला।ममता बताती हैं कि समूह की महिलाओं ने मिलकर डेढ़ लाख रुपये का ऋण लिया और इस राशि का उपयोग गन्ने की खेती में किया। मेहनत और बेहतर उत्पादन से उन्हें अच्छी आमदनी प्राप्त हुई, जिससे उन्होंने मूलधन के साथ ब्याज की पूरी राशि चुका दी। ऋण चुकाने के बाद उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा और उन्होंने खेती का विस्तार करने का निर्णय लिया। इस वर्ष उन्होंने गन्ने की खेती का रकबा बढ़ाकर पांच एकड़ कर दिया है। समूह से मिली अपनी आजीविका को मजबूत बनाने का अवसर प्रदान किया है।

तालाबों में खिली आत्मनिर्भरता की उम्मीद - मखाना की खेती से बदल रही ग्रामीण महिलाओं

मखाना की खेती से बदल रही ग्रामीण महिलाओं की जिंदगी

धमतरी की महिलाओं ने मखाना उत्पादन में बढ़ाए कदम, 29 एकड़ में उपज का संग्रहण शुरू

महिला स्व-सहायता समूहों को मिलेंगे आजीविका के नए अवसर, वैज्ञानिक प्रशिक्षण से बढ़ेगी आमदनी की संभावना

संवाददाता ➤ रायपुर

राज्य में ग्रामीण महिलाओं की मेहनत और आत्मनिर्भर बनने का संकल्प अब खेती के नए क्षेत्रों में भी दिखाई देने लगा है। धमतरी जिले के तालाबों में शुरू हुई मखाना की खेती महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण की नई उम्मीद बनकर उभरी है। कभी पारंपरिक खेती और घरेलू कामकाज तक सीमित रहने वाली ग्रामीण महिलाएं अब मखाना उत्पादन, संग्रहण और प्रसंस्करण के जरिए अपनी अलग पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। जिले के ग्राम छाती और डांडेसरा में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा 29 एकड़ में उत्पादित मखाना का संग्रहण शुरू होना इसी बदलाव की महत्वपूर्ण कड़ी है।



मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में कृषि विविधीकरण और ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने के प्रयासों के बीच धमतरी जिले में मखाना की खेती को नया विस्तार मिल रहा है। केंद्र सरकार की सेंट्रल सेक्टर स्कीम फॉर डेवलपमेंट ऑफ मखाना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में जिले को 165 एकड़ में मखाना उत्पादन का लक्ष्य मिला था। इसके विरुद्ध जिला प्रशासन और उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में 105 एकड़ क्षेत्र में खेती शुरू की गई है। ग्राम राखी, छाती, डांडेसरा, पीपरछेड़ी और नगरी विकासखंड के सांकरा में मखाना उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

महिलाओं की मेहनत से तालाबों में तैयार हो रही समृद्धि की नई फसल

ग्राम छाती और डांडेसरा की शैलपुत्री एवं नई किरण महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य इस पहल से जुड़कर आजीविका के नए अवसर तलाश रही हैं। तालाबों में तैयार मखाना की फसल का संग्रहण शुरू होने से महिलाओं में उत्साह है। उन्हें उम्मीद है कि उत्पादन के साथ प्रसंस्करण और बाजार की सुविधाएं मिलने से यह खेती उनकी नियमित आमदनी का बेहतर जरिया बन सकेगी। महिलाओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने के लिए 26 अक्टूबर 2026 को मखाना संग्रहण की शुरुआत के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मखाना की खेती में उत्पादन के साथ उसकी सही कटाई, सफाई और प्रसंस्करण भी महत्वपूर्ण है। तालाबों से मखाना के बीज निकालने की प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी होती है। पहली कटाई को लहसर कहा जाता है, जिसमें लगभग 70 प्रतिशत बीज चरणों में शेष बीजों का संग्रहण किया जाता है।

प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में मुख्य अतिथि निर्धारित

राज्य शासन ने जारी किया आदेश

संवाददाता ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राज्योत्सव 2026 का आयोजन प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में 2 नवंबर को किया जाएगा। राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने जिला मुख्यालयों में आयोजित होने वाले एक दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रमों के लिए मुख्य अतिथियों का निर्धारण कर दिया है। इस संबंध में 27 अक्टूबर को आदेश जारी किया गया है। विभिन्न जिलों में राज्य शासन के मंत्री, सांसद और विधायक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

राज्य शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार जांजगीर-चांपा जिले में संघ राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, बिलासपुर में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव तथा दुर्ग में उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा मुख्य अतिथि होंगे। सरगुजा में मंत्री श्री रामविचार नेताम, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में मंत्री श्री दयालदास बघेल, कांकेर में मंत्री श्री केदार कश्यप, कोरबा में मंत्री श्री लखन लाल देवांगन, जशपुर में मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, रायगढ़ में वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी, सूरजपुर में मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, गरियाबंद में मंत्री श्री टंकराम वर्मा तथा राजनांदगांव में मंत्री श्री गजेन्द्र यादव मुख्य अतिथि होंगे।

इसी प्रकार कोरिया में विधायक श्री भैयालाल राजवाड़े, बीजापुर में मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब, बलौदाबाजार-भाटापारा में सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, बेमेतरा में सांसद श्री विजय बघेल, कबीरधाम में सांसद श्री संतोष पाण्डेय, बलरामपुर-रामानुजगंज में सांसद श्री इंसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा मुख्य अतिथि होंगी।

एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अभिषेक शर्मा** द्वारा 202, भाटागांव चौराहा , रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन 492015 से प्रकाशित एवं आसमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड , गॉस मेमोरियल हाल के पास , जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।

संपादक - रिज़वान आज़म, **समूह संपादक**- महेश कुमार तिवारी ईमेल - eksatbulletin@gmail.com R.N.I Number - CHHHIN/2020/78457 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार ।